www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 222 || अम्बेडकरनगर
बुधवार
04 नवम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:17
सूर्यास्तः 05:22
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 18°00

पेज 07

विशेष समाचार
जाब की सियासत में 'कमल'... >> पेज 04
जलपरी शो का टैंक फटा 4... >> पेज 06
तुषार कपूर से धमकाकर मांगे ...

मातृशक्ति के सम्मान और स्वावलम्बन को समर्पित उज्ज्वला योजना

किसानों और महिलाओं के लिए विशेष पैकेज बहुत जल्द : योगी

किसानों के लिए जल्द राहत पैकेज, तीन करोड़ किसान परिवार होंगे लाभान्वित, अतिवृष्टि-ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का मुआवजा भी तत्काल जारीः सीएम योगी

महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के लिए जल्द आएगा विशेष पैकेज, हर महिला को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम करेगी सरकार

सौगात

78,442
उचित दर दुकानों से 15 करोड़ लाभार्थियों को निःशुल्क खाद्यान्न

1,500
करोड़ की निःशुल्क रसोई गैस रिफिल की सब्सिडी के लिए व्यवस्था

8,753
अन्नपूर्णा भवन तैयार

2,573
निर्माणाधीन सुदृढ़ हो रही सार्वजनिक वितरण प्रणाली

दीपावली पर 1.89 करोड़ परिवारों को निःशुल्क गैस रिफिल की सौगात

महिलाओं के लिए जल्द आएगा विशेष पैकेज

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की माताओं और बहनों को आश्वस्त किया कि सरकार सुरक्षा और नारी गरिमा की रक्षा के साथ उनके सम्मान एवं आर्थिक स्वावलंबन के लिए भी पूरी तत्परता से काम कर रही है। उन्होंने घोषणा की कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार जल्द ही एक विशेष पैकेज लेकर आएगी। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे मानसिक रूप से तैयार रहें और तय करें कि उन्हें कौन-सा काम शुरू करना है। सरकार उनके साथ खड़ी होगी। उन्होंने कहा कि हर महिला अपने पैरों पर खड़ी होकर परिवार का संबल बने, बच्चों को अच्छी शिक्षा दे और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बने, यही सरकार का लक्ष्य है। >> (शेष पेज 06 पर)

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राकृतिक कारणों से फसलों में नुकसान झेलने वाले किसानों के लिए शीघ्र ही बड़ा पैकेज लाने की घोषणा करते हुए कहा कि इससे प्रदेश के तीन करोड़ किसान परिवार लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार जल्द ही विशेष पैकेज लेकर आएगी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के किसानों और श्रमिकों को सम्मानजनक एवं सस्ता भोजन उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश की प्रमुख मंडियों और श्रमिक अड्डों पर अन्नपूर्णा भोजनालय शुरू किए जाएंगे। मंडी में अपनी उपज लेकर आने वाले किसान को अब गुड़-पानी के सहारे नहीं रहना पड़ेगा, बल्कि वह टोकन मनी देकर सम्मान के साथ दो रोटी और भरपेट भोजन कर सकेगा। इसी तरह निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों के लिए बनाए जा रहे श्रमिक अड्डों पर भी अन्नपूर्णा भोजनालय के माध्यम से सस्ते भोजन की व्यवस्था होगी। >> (शेष पेज 06 पर)

किसानों के लिए अलग पैकेज, तीन करोड़ किसान परिवार होंगे लाभान्वित

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, अल नीनो और असमय आने वाले चक्रवातों के कारण किसानों को अतिवृष्टि, अनावृष्टि और ओलावृष्टि जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले 15 दिनों में दो बार भारी बारिश, आंधी और तूफान से खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है। सरकार प्रभावित किसानों को तत्काल मुआवजा दे रही है और उनके लिए अलग से राहत पैकेज भी लेकर आएगी। इस पैकेज से प्रदेश के तीन करोड़ किसान परिवार लाभान्वित होंगे।

किसानों के लिए अलग पैकेज, तीन करोड़ किसान परिवार होंगे लाभान्वित

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में एक घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 983 रुपये 45 पैसे है। इसमें केंद्र सरकार 335 रुपये 40 पैसे की सब्सिडी देती है और लाभार्थी को 648 रुपये 55 पैसे अपनी जेब से देने पड़ते हैं। दीपावली के अवसर पर राज्य सरकार ने लाभार्थियों की ओर से यह राशि सीधे संबंधित गैस कंपनियों को उपलब्ध करा दी है। अब पात्र परिवार अपनी गैस एजेंसी से सिलेंडर प्राप्त कर सकेंगे और उन्हें इसके लिए अपनी ओर से कोई भुगतान नहीं करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे परिवारों की लगभग 650 रुपये की बचत होगी। इस बचत से गरीब परिवार दीपावली के लिए मिठाई और दीपक खरीद सकेंगे। इससे उनके घरों में त्योहार की खुशियां और रोशन होंगी।

2014 से पहले गैस कनेक्शन के लिए 25 से 50 हजार रुपये तक ब्लैक में देने पड़ते थे, हमने खत्म की घूसखोरी की व्यवस्थाः सीएम

तूफान मुरासु का केंद्र आंध्र प्रदेश से आगे बढ़ा

हैदराबाद/भुवनेश्वर। आंध्रप्रदेश के तट से टकराया चक्रवाती तूफान मुरासु तेलंगाना की ओर चला गया है। राहत की बात ये है कि इसकी तीव्रता 100 किमी प्रति घंटा से कम होकर 50 किमी प्रतिघंटा हो गई है।

मुरासु सोमवार रात करीब 1 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया था। इस दौरान 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। तेज हवाओं से हजारों पेड़ उखड़ गए और बिजली के सैकड़ों खंभे क्षतिग्रस्त हो गए। कई नावों को भी नुकसान पहुंचा। भारी बारिश से आंध्रप्रदेश के तटीय शहरों में सड़कें डूब गईं और हाईवे पर वाहन फंस गए। सड़क हादसों में 2 लोगों की मौत हो गई। मंगलवार को विजयवाड़ा, विशाखा-पट्टनम, तिरुपति और चेन्नई एयरपोर्ट से 30 डॉमेस्टिक फ्लाइट्स रद्द रहीं। आंध्र प्रदेश के तटीय शहर काकीनाड़ा में भारी बारिश से निचले इलाके डूब गए हैं। सड़कों पर पानी भरा हुआ है।

नाम ड्राॅफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं, फॉर्म-6 भरें

चुनाव आयोग बोला- केस नहीं होगा, दोबारा जुड़वाएं

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। अगर आपका नाम SIR की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं है, तो आप फॉर्म-6 भरकर दोबारा नाम जुड़वा सकते हैं। मंगलवार को चुनाव आयोग ने कहा चाहे आप 10 साल से वोटर रहे हों, फिर भी फॉर्म-6 ही भरना होगा। इसको झूठा शपथ पत्र नहीं माना जाएगा, न ही कोई केस होगा। यह फैसला उनके लिए मददगार होगा, जिनका नाम SIR के दौरान काट दिया गया। दरअसल, फॉर्म 6 में लिखना पड़ता है कि मेरा नाम पहली बार वोटर लिस्ट में जोड़ा जा रहा है। कानूनी पेंच की वजह से फॉर्म-6 पर सेक्शन 31 के तहत लिखा होता है - गलत जानकारी दी तो 1 साल तक की सजा। लोग सोच रहे थे - हम तो पुराने वोटर हैं,

एसआईआर में 30 राज्यों के 13 करोड़ नाम कटे

पहली बार वाला कॉलम टिक करेंगे तो केस हो जाएगा। इस डर से लाखों लोग फॉर्म नहीं भर रहे थे। चुनाव आयोग ने कहा कि ये डर निकाल दीजिए, हम इसे फॉल्स डिक्लरेशन नहीं मानेंगे। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में 2025-26 में बिहार, दिल्ली समेत 30 राज्यों में 13 करोड़ से ज्यादा नाम ड्राफ्ट रोल से हटाए गए। >> (शेष पेज 06 पर)

अखिलेश बाबू फरवरी में निपट जाओगे : शिवराज

मोदी भगवान का वरदान, ऐसे नारे लगाइए कि राहुल कांप जाएं

रैली

- बरेली में नड्डा बोले- इंडी गठबंधन विश्वास तोड़ने का काम कर रहा
- बरेली में जयंत चौधरी बोले- विपक्ष की हालत क्रिकेट में हारे बच्चे जैसी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/बरेली । यूपी में भाजपा ने मंगलवार को लोकतंत्र बचाओ रैली निकाली। लखनऊ और बरेली में 50 हजार से ज्यादा कार्यकर्ता और समर्थक सड़कों पर उतरे। हाथ में भाजपा का झंडा और 'लोकतंत्र बचाओ' लिखे पोस्टर लेकर चले।

लखनऊ में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान पदयात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कहा- कांग्रेस और राहुल गांधी मोदी को हरा नहीं पा रहे हैं तो षडयंत्र रचने लगे हैं। मैं बता दूं कि मोदी देश के मुकुट मणि हैं। भगवान का वरदान हैं। उन्होंने कहा- आप लोग ऐसे नारे लगाइए कि दिल्ली में राहुल कांप जाएं। SIR के खिलाफ प्रदर्शन पर उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव से पूछा कि बताइए जरा, जिसका नाम वोटर लिस्ट में 2 जगह है, उसका नाम एक जगह से कटना चाहिए या नहीं। >> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

हाईकोर्ट बोला- भारत धर्मनिरपेक्ष देश

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका यानी BMC को एक्ट्रेस दीया मिर्जा का दिवाली वीडियो दोबारा अपलोड करने का आदेश दिया है। इस वीडियो में दीया ने लोगों से ग्रीन पटाखे जलाने और सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे न फोड़ने की अपील की थी।

कार्रवाई शुरू

बीएमसी कमिश्नर को सुप्रीम कोर्ट की अवमानना का नोटिस

मुंबई । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) के म्युनिसिपल कमिश्नर के खिलाफ कोर्ट की अवमानना की कार्रवाई शुरू कर दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी मोहना की तीन सदस्यीय पीठ ने मंगलवार को बीएमसी कमिश्नर को कारण बताओ नोटिस जारी किया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा कि क्या बीएमसी के अधिकारी अतिक्रमण करने वालों के साथ मिलीभगत कर रहे हैं? क्या इससे यह नहीं दिखता कि आपके अधिकारी मिलीभगत कर रहे हैं?

भारत ने पहली बार एक लॉन्चर से 2 मिसाइलें दागीं

नई दिल्ली। DRDO ने ओडिशा के चांदीपुर से प्रलय मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इसकी खासियत यह है कि एक ही लॉन्चर से 2 मिसाइलें लगातार दागी जा सकती हैं। 500 किलोमीटर तक मार करने वाली यह मिसाइल दुश्मन के अलग-अलग ठिकानों को निशाना बना सकती है।

प्रदेश की 09 चीनी मिलों ने शुरू किया गन्ना पेराई कार्य

पेराई सत्र 2026-27 का विधिवत शुभारंभ

निर्देश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वर्तमान पेराई सत्र 2026-27 का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। प्रदेश की 33 चीनी मिलों ने गन्ना खरीद हेतु इंडेंट जारी कर दिया है।

गन्ना विकास विभाग ने बताया कि प्रदेश की 09 चीनी मिलों में पेराई कार्य प्रारम्भ हो चुका है, इनमें सहकारी क्षेत्र की 01, निजी क्षेत्र की 08 चीनी मिलें शामिल हैं। प्रदेश की संचालित चीनी मिलों में सहारनपुर परिक्षेत्र की 03 चीनी मिलें, मेरठ परिक्षेत्र की 01, मुरादाबाद परिक्षेत्र की 02, लखनऊ परिक्षेत्र की 03

प्रदेश में गन्ना खरीद एवं आपूर्ति के लिए 33 चीनी मिलों ने जारी किया गन्ना इंडेंट

चीनी मिलों ने पेराई कार्य प्रारम्भ कर दिया है। इसके अतिरिक्त प्रदेश की अन्य चीनी मिलों द्वारा अपना पेराई कार्य शुरू करने की समस्त औपचारिकतायें पूर्ण कर ली गई हैं । >> (शेष पेज 06 पर)

अखिलेश बोले- सीधे मुख्यमंत्री बनेंगे, यह मेरे लिए शुभ, पिछली बार भी लोकसभा से आकर शपथ ली थी

विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे : अखिलेश

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को काशी से यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा- हम मुख्यमंत्री तब बनते हैं, जब चुनाव नहीं लड़ते। इसलिए वही काम करेंगे, जो हमारे लिए शुभ होगा। उन्होंने पूछा- पिछली बार कहां से मुख्यमंत्री बना था बताओ? लोकसभा से तो वहीं से आकर शपथ लूंगा। अखिलेश 15 मार्च 2012 को पहली बार यूपी के मुख्यमंत्री बने थे। उस वक्त वे कन्नौज से सांसद थे। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर विधान परिषद की सदस्यता ली थी। अखिलेश ने कहा, भाजपा पहले अपने 100 विधायकों का टिकट काटने वाली थी, लेकिन MLC चुनाव में हारने के बाद अब 200 विधायकों का टिकट काटने जा रही है। सबसे पहले काशी के मंत्रियों के टिकट कटेंगे। अखिलेश काशी की शिक्षक और स्नातक, दोनों एमएलसी सीटों पर सपा की जीत के बाद पहली बार वाराणसी पहुंचे थे। >> (शेष पेज 06 पर)

काशी में अखिलेश का पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

बागेश्वर बाबा पर कहा- नकली सनातनियों के बयानों से लोग दुखी

अखिलेश ने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री के भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम को लेकर दिए गए बयानों पर भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा, इन नकली सनातनियों को रोका जाए। भगवान श्रीकृष्ण के बारे में ये क्या कह रहे हैं? इससे देश ही नहीं, पूरी दुनिया के लोग दुखी हैं। अब तो प्रभु श्रीराम के बारे में भी क्या-क्या कह रहे हैं।"

अखिलेश ने कहा, "बाबा विश्वनाथ जी ने आशुतोष सिन्हा को जिताया, लाल बिहारी को जिताया। बाबा विश्वनाथ ने दोहरा आशीर्वाद दिया।" उन्होंने यह भी दोहराया कि समाजवादी पार्टी 80 की 80 सीटें भी ईवीएम से जीत जाए, तब भी ईवीएम के खिलाफ हैं।

चैलेंज : राहुल बोले- जगह-जज आप चुनिए; शाह बोले- किसी भी मुद्दे पर बहस को तैयार, संसद चलने दीजिए

मोदी जी देश विरोधी कौन बहस कीजिए : राहुल गांधी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । राहुल गांधी ने फिर पीएम मोदी को बहस का चैलेंज दिया है। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर 1.50 मिनट के वीडियो में कहा, '24 घंटे हो गए मोदी जी। मैंने आपको चैलेंज दिया है। आप कहते हो कि विपक्ष देशद्रोही है। किसी भी स्टेज पे आप जगह चुनिए, डिबेट कीजिए मेरे साथ।' राहुल ने कहा-देशद्रोही कौन है? विदेशी फोर्सेस का कनेक्शन किसका है? और किस प्रकार का कनेक्शन है? जल्दी से जल्दी कीजिए, डरिए मत।

सवाल उठेंगे फाइनेंशियल सिस्टम पर, फाइनेंशियल स्ट्रक्चर पर, US डील कैसे हुई, क्यों हुई, इतनी जल्दी क्यों हुई, सिर्फ आपने क्यों की, कैबिनेट को क्यों नहीं बताया, अडाणी का केस बंद क्यों हुआ, एपस्टीन - ऐसी बहुत सारी चीजें हैं जिस पर खुलकर डिस्कशन होगा।

आपने पार्लियामेंट को रोककर रखा है। आप पार्लियामेंट में चर्चा कर लीजिए, दो-दो हाथ कर लीजिए। देश की जनता को मालूम हो जाएगा, सच्चा कौन है, झूठा कौन?
-अमित शाह, गृह मंत्री

राहुल बोले- मुझ पर मानहानि के 45 केस

राहुल ने कहा, 'बाकी चीजों पे आपने डिफेमेशन केस लगा रखा है, शायद 45 डिफेमेशन केस मेरे ऊपर हैं। मगर इस डिबेट मामले पर, फॉरेन कनेक्शन पर आप डिफमेशन नहीं लगा रहे हो। लगाइए ना, वहां भी डिस्कस करेंगे, खुल के। ये सब डिस्कस करते हैं, आइए। हैप्पी दिवाली, मोदी जी।'

आ जाइए, डरिए मत। उधर, गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, 'मैं कहना चाहता हूं कि नरेंद्र मोदी सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, संसद चलने दो। हम विशेष सत्र बुलाकर SIR पर चर्चा के लिए तैयार हैं।'

1. अगस्त 2018- राफेल परः कर्नाटक के बेलगाम में जनध्वनि रैली में - मोदी जी और मेरे बीच राफेल पर बहस करा दो, मैं घंटों बोलूंगा।

शाह ने कहा- सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार

गृह मंत्री अशाह ने छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में कहा कि राहुल गांधी ने नकली संसद बनाकर असली संसद का मखौल उड़ाया। चर्चा का नाटक किया। हिम्मत है तो संसद में देश की जनता के सामने चर्चा करके दिखाइए। हाथ में संविधान लेकर घूमने से संविधान का समर्थन नहीं होगा। आचरण संवैधानिक होना चाहिए।

>> (शेष पेज 06 पर)

एक जगह अनिश्चितकाल तक धरना नहीं दे सकते : सुप्रीम कोर्ट

प्रदर्शन एक का नहीं, सबका अधिकार

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि कोई भी संगठन प्रदर्शन के लिए किसी सार्वजनिक जगह पर अनिश्चितकाल तक कब्जा नहीं कर सकता। प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों पर भी एक तय समय-सीमा होनी चाहिए, ताकि दूसरे संगठनों को भी अपनी बात रखने का मौका मिल सके। CJI सूर्यकांत ने कहा आप हमेशा के लिए किसी जगह पर कब्जा नहीं कर सकते। वहां किसान, पत्रकार, मजदूर और दूसरे प्रदर्शनकारी कहां जाएंगे? सभी को प्रदर्शन करने का अधिकार है। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच दिल्ली में अक्टूबर में हुए CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शनों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई, लोगों की हिरासत, निगरानी (सर्विलांस), प्रदर्शन स्थलों और कारोबारियों को हुए नुकसान से जुड़े मामले शामिल हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

व्यापारियों ने कहा- त्योहारों में 2000 करोड़ का नुकसान

भगवान श्रीराम, माता सीता और रामायण के प्रमुख प्रसंगों के जरिए श्रद्धालुओं को दिखेगी रामनगरी की सांस्कृतिक विरासत

दीपोत्सव पर रामायण के प्रसंगों से सजेगी अयोध्या

तैयारी

- योगी सरकार के विजन से दीवारों पर जीवंत होगी त्रेता युग की झलक
- दीपोत्सव के दशक को यादगार बनाने के लिए रामकथा पार्क से लता मंगेशकर चौक तक चल रहा चित्रांकन

तमसा संकेत, संवाददाता

अयोध्या। दसवें दीपोत्सव-2026 पर रामनगरी को भव्य और दिव्य स्वरूप देने की तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप अयोध्या को राममय बनाने के लिए शहर की दीवारों पर रामायण के प्रसंगों और धार्मिक कलाकृतियों को उकेरा जा रहा है। अयोध्या नगर निगम की ओर से रामकथा पार्क से लेकर लता मंगेशकर चौक के आसपास तक दीवारों को आकर्षक चित्रों से सजाया जा रहा है। इन चित्रों में भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े प्रसंगों के साथ पारंपरिक दीपों की आकृतियां भी बनाई जा रही हैं। रंगों और कूची के जरिए कलाकार रामायण की गाथा को दीवारों पर जीवंत कर रहे हैं, ताकि दीपोत्सव में अयोध्या पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को त्रेता युग की सांस्कृतिक झलक देखने को मिले।

दीवारों पर बनाए जा रहे चित्रों के माध्यम से रामायण के प्रसंगों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ नई पीढ़ी को भी भगवान श्रीराम के आदर्शों और मर्यादा पुरुषोत्तम के जीवन दर्शन से परिचित कराया जा रहा है।

नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने कहा कि दसवां दीपोत्सव अयोध्या के लिए विशेष महत्व रखता है। आयोजन को भव्य और यादगार बनाने के साथ नगर निगम का प्रयास है कि पूरी अयोध्या राममय दिखाई दे। शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। रामकथा पार्क और लता मंगेशकर चौक के आसपास दीवारों पर भगवान श्रीराम से जुड़े प्रसंगों और पारंपरिक दीपों की कलाकृतियां बनवाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि उद्देश्य केवल दीवारों को सुंदर बनाना नहीं, बल्कि चित्रों के माध्यम से अयोध्या की समृद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करना है। श्रद्धालु जब अयोध्या आएं तो उन्हें यहां के हर कोने में भगवान श्रीराम की मर्यादा, आदर्श और त्रेता युग की सांस्कृतिक झलक दिखाई दे। दीपोत्सव के अवसर पर स्वच्छ, सुंदर, सुव्यवस्थित और आकर्षक अयोध्या का स्वरूप प्रस्तुत करने के लिए नगर निगम की टीमें लगातार काम कर रही हैं। दीपों की जगमगाहट, रामायणकालीन चित्रांकन और आकर्षक सजावट के साथ अयोध्या दसवें दीपोत्सव के स्वागत के लिए तैयार हो रही है।

चित्रों के जरिए नई पीढ़ी तक पहुंचेगी रामायण की विरासत

दीपोत्सव में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए अयोध्या को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। नगर निगम का प्रयास है कि रामनगरी में प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम की नगरी की सांस्कृतिक विरासत और त्रेता युग की गौरवशाली परंपराओं का अहसास हो।

दीवारों पर उभरेंगे रामायण के प्रसंग, दीपोत्सव का संदेश भी

रामनगरी की दीवारों पर भगवान श्रीराम, माता सीता और रामायण के अन्य प्रमुख पात्रों के चित्र बनाए जा रहे हैं। इनके साथ पारंपरिक दीपों की सुंदर आकृतियां भी उकेरी जा रही हैं। अयोध्या नगर निगम की ओर से दीपोत्सव अयोध्या-2026 का संदेश देते हुए स्वागत संबंधी आकर्षक चित्रांकन भी कराया जा रहा है। रात के समय रोशनी के बीच ये कलाकृतियां शहर की सुंदरता को और निखार रही हैं। कलाकार पूरी तन्मयता से सार्वजनिक दीवारों को नया स्वरूप देने में जुटे हैं। इस तरह ये दीवारें केवल सौंदर्यीकरण तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि अयोध्या की धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को भी प्रदर्शित करेंगी।

राहुल गांधी की राजनीति खत्म : रवि किशन

गोरखपुर में कहा- 2027 में योगी आएंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में सांसद रवि किशन ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधा। रवि किशन ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी की राजनीति खत्म हो चुकी है। पीएम मोदी को हराना है तो 2029 में चुनाव हराकर दिखाएं।

अखिलेश यादव के पूर्वांचल दौरे पर उन्होंने कहा कि 2027 में फिर योगी सरकार बनेगी। वहीं, भाजपा की प्रस्तावित पदयात्रा को ऐतिहासिक बताते हुए 50 हजार से ज्यादा कार्यकर्ताओं के शामिल होने का दावा किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के पहली बार गोरखपुर आने पर भव्य स्वागत किया जाएगा।

रवि किशन ने कहा- कांग्रेस और राहुल गांधी जहां चुनाव जीतते हैं, वहां EVM में गड़बड़ी और वोट चोरी नहीं होती, लेकिन जहां हार जाते हैं, वहां इन मुद्दों पर सवाल उठाने लगते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2014, 2019 और 2024 का लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। ऐसे में SIR को लेकर सवाल उठाने वालों को पहले यह बताना चाहिए कि पहले के चुनावों में यह मुद्दा कहां था। उन्होंने राहुल गांधी को चुनौती देते हुए कहा कि मोदी जी को हराना है तो 2029 में चुनाव लड़कर हराकर दिखाएं। तख्तापलट और रिजीम चेंज जैसी बातें करने का कोई मतलब नहीं है। रवि किशन ने कांग्रेस पर देश विरोधी बातें करने और विदेशी फंड पर काम करने का आरोप लगाया।

फास्ट न्यूज

जीएसटी टीम ने दो दुकानों की जांच शुरू की

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के लोनीकटरा थाना क्षेत्र में मंगलवार को GST विभाग की टीम ने बड़काऊ ज्वेलर्स और बड़कऊ किराना स्टोर की जांच शुरू की। मकनपुर चौराहा और मोधू का पुरवा मोड़ पर स्थित इन दुकानों के गोदामों की भी जांच की जा रही है। करीब एक दर्जन अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम कई गाड़ियों से मौके पर पहुंची।

फिनायल के नाम पर शराब की तस्करी

गोरखपुर । गोरखपुर के रास्ते कंटेनर से शराब की तस्करी की जा रही थी। ट्रक से भरी शराब समेत तस्कर को गिरफ्तार कर पुलिस ने इसका खुलासा किया है। पंजाब से बिहार के पटना शहर में 2865 लीटर अंग्रेजी शराब कंटेनर में भरकर भेजी जा रही थी। जिसे एसटीएफ गोरखपुर और खोराबार पुलिस की संयुक्त टीम ने सोमवार को बरामद किया है। कंटेनर में 323 पेटियों में शराब भरी थी। तलाशी में फिनायल का फर्जी ई-वे बिल और दो कूटरचित बिल्टियां भी मिलीं। पुलिस ने राजस्थान के बाड़मेर निवासी चालक थानाराम को गिरफ्तार कर लिया।

बेटे की आत्महत्या के मामले में चार लोगों पर केस

फतेहपुर । बाराबंकी के फतेहपुर में बेटे की आत्महत्या के मामले में पिता के आरोपों पर पुलिस ने उसकी पत्नी, ससुर, साले और एक अज्ञात साढ़ू के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोर्ट के आदेश पर दर्ज केस की जांच शुरू कर दी गई है। फतेहपुर थाना क्षेत्र के वाजिदपुर गांव के राजेश कुमार (51) ने कोर्ट में दिए आवेदन में बताया कि उनके बेटे अजय देवगन की शादी करीब छह महीने पहले हुई थी।

बुजुर्ग महिला की नाले में डूबकर मौत गांव में शोक की लहर

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में 72 वर्षीय बुजुर्ग महिला की नाले में डूबकर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला शौच के लिए गांव के पास स्थित नाले की ओर गई थीं। इसी दौरान पैर फिसलने से वह नाले में जा गिरीं और डूबने से उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया, वहीं गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र बल्लोपुर द्वितीय गांव निवासी राजरानी (72) पत्नी स्वर्गीय परसुराम मंगलवार को शौच के लिए घर से निकली थीं। वह गांव के पास स्थित एक नाले के किनारे गई थीं। काफी देर तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद परिवार के लोगों ने उनकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद उनका शव गांव के पास स्थित नाले में डूबा हुआ मिला।बुजुर्ग महिला का शव देखते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

किचन में खाना बनाते समय मंजू के सिर और चेहरे पर ईंट से किए कई वार, मौके पर ही हुई मौत

42 लाख रुपये बने बहन की हत्या की वजह, भाई, भाभी गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। महादेवा कॉरिडोर में अधिग्रहीत मकान के बदले मिले करीब 42 लाख रुपये के मुआवजे को लेकर पारिवारिक विवाद इतना गहरा गया कि भाई ने अपनी ही बहन की जान ले ली। पुलिस के मुताबिक, मुआवजे की रकम बहन को न देनी पड़े, इसी रंजिश में भाई ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर बहन की ईंट से वार कर हत्या कर दी। रामनगर थाना क्षेत्र के महादेवा गांव में हुए इस सनसनीखेज मंजू हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा करते हुए मृतका के सगे भाई और भाभी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई ईंट भी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, ग्राम लोधौरा गांव निवासी सेमई की करीब 42 वर्षीय बेटी मंजू की हत्या के मामले में एक नवंबर को मृतका की बहन वंदना पत्नी ओमप्रकाश निवासी बिंदौरा परसपुर थाना रामनगर ने पुलिस को तहरीर दी थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि मंजू की हत्या उसके भाई संदीप और भाभी शीतल ने ईंट से वार करके की है। तहरीर के आधार पर रामनगर थाने में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रवीना त्यागी ने हत्याकांड के शीघ्र खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए स्वाट, सर्विलांस तथा रामनगर पुलिस की संयुक्त टीमें गठित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस टीमों ने मैनुअल इंटेलिजेंस और डिजिटल डेटा की मदद से जांच को आगे बढ़ाया। साक्ष्यों और जांच के आधार पर पुलिस ने मंगलवार, तीन नवंबर को गजपतिपुर मोड़ के पास से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्याकांड में संदीप पुत्र सेमई और उसकी पत्नी शीतल उर्फ मायावती निवासी ग्राम महादेवा थाना रामनगर को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक ईंट बरामद की है। पुलिस दोनों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार, संदीप कुमार के खिलाफ पूर्व में भी कई मुकदमे दर्ज हैं। इनमें मारपीट, धमकी, जबरन वसूली और अन्य धाराओं से संबंधित मामले शामिल हैं।

पुलिस ने गजपतिपुर मोड़ से दोनों को दबोचा

42 लाख के मुआवजे को लेकर थी रंजिश

पुलिस की पूछताछ और जांच में सामने आए घटनाक्रम के मुताबिक, आरोपी संदीप कुमार का मकान महादेवा कॉरिडोर में अधिग्रहीत हो गया था। इसके बदले उसे करीब 42 लाख रुपये का मुआवजा मिला था। पुलिस का कहना है कि संदीप अपनी बहन मंजू को इस रकम में हिस्सा नहीं देना चाहता था। इसी बात को लेकर परिवार में रंजिश चल रही थी। आरोप है कि इसी विवाद के चलते संदीप और उसकी पत्नी शीतल उर्फ मायावती ने 30 अक्टूबर को मंजू की हत्या की योजना बनाई।

किचन में खाना बनाते समय ईंट से किया हमला

पुलिस के मुताबिक, 30 अक्टूबर की दोपहर मंजू अपने घर की किचन में खाना बना रही थी। इसी दौरान संदीप और उसकी पत्नी शीतल ने मिलकर किचन में रखी ईंट से मंजू के सिर और मुंह पर कई बार वार कर दिए। गंभीर चोट लगने से मंजू की मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद मामले की जांच शुरू हुई तो पुलिस ने साक्ष्य जुटाते हुए आरोपियों तक पहुंच बनाई।

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था- हमारे राम सीधे, तुम्हारे कृष्ण 3 जगह से टेढ़े

श्रीकृष्ण पर टिप्पणी करने वाला मूर्ख : शंकराचार्य

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में सुमेरु पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती मंगलवार को धीरेंद्र शास्त्री पर भड़क गए। उन्होंने कहा- भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराम के बीच अंतर बताने वाले व्यक्ति से बड़ा मूर्ख और अज्ञानी शायद ही कोई होगा। शिव, कृष्ण और राम में कोई अंतर नहीं है।

उन्होंने कहा- किसी कथावाचक को नशे में या किसी अन्य स्थिति में ऐसी अनर्गल टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। जिससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हों। देशद्रोही गतिविधियों में जो लिप्त हैं, उन्हें शूट कर देना चाहिए।

शंकराचार्य ने कहा- सरकारों की हिम्मत नहीं है कि मस्जिद-चर्च ले लें। मगर हिंदुओं का मंदिर लेकर उसका धर्म हड़पना चाहते हैं। मंदिर पर सनातनियों और हिंदुओं का अधिकार होना चाहिए।

दरअसल, 29 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के शिवपुरी में रामकथा के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था- हमारे राम सीधे हैं, तुम्हारे कृष्ण टेढ़े। तुम्हारे ठाकुरजी की खोपड़िया भी टेढ़ी, नाम भी टेढ़ा और चलते-खड़े भी टेढ़े होते हैं। हालांकि, मामले में विवाद के बाद धीरेंद्र शास्त्री ने अपने बयान पर माफी भी मांगी थी। रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में संस्कृति संसद का आज शुभारंभ हुआ। 5 नवंबर तक चलने वाली संसद में देशभर से करीब 3000 संत और 7000 से अधिक युवा शामिल हो रहे हैं।

शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती बोले- भगवान श्रीकृष्ण पर टिप्पणी करने वाला अज्ञानी

सुमेरु पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती ने धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर आक्रोश जताया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी मर्यादा और सीमा में रहकर बयान देना चाहिए। देवी-देवता लोगों की आस्था के केंद्र हैं। किसी कथावाचक को नशे में या किसी अन्य स्थिति में ऐसी अनर्गल टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। जिससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हों। भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराम के बीच अंतर बताने वाले व्यक्ति से बड़ा मूर्ख और अज्ञानी शायद ही कोई होगा। करीब 500 वर्ष पहले गोस्वामी तुलसीदास जब ब्रज पहुंचे और उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए, तो कहा था- 'तुलसी मस्तक तब नवै, धनुष बाण ले हाथ।' भगवान श्रीकृष्ण ने तुलसीदास को अपने हाथों में धनुष-बाण धारण कर श्रीराम के स्वरूप में दर्शन दिए थे। उन्होंने कहा कि भगवान शिव, श्रीकृष्ण और श्रीराम में कोई भेद नहीं है। ये सभी अभिन्न हैं। तत्व की दृष्टि से सभी एक हैं।

> **रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में संस्कृति संसद का आज शुभारंभ हुआ। 5 नवंबर तक चलने वाली संसद में देशभर से करीब 3000 संत और 7000 से अधिक युवा शामिल हो रहे हैं। इसमें देश-विदेश के विद्वान, वैज्ञानिक, कलाकार और शिक्षाविद हैं।**

दीपोत्सव में दीयों की श्रृंखला सजाएंगे अवध विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक

25 बसों से घाटों पर पहुंचेंगे विश्वविद्यालय के युवा स्वयंसेवक

तमसा संकेत, संवाददाता

अयोध्या । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित होने जा रहे दशक दीपोत्सव को भव्य और ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां निर्णायक चरण में पहुंच गई हैं। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक बुधवार सुबह आठ बजे से 25 बसों के माध्यम से दीपोत्सव स्थल के लिए रवाना होंगे। वहां पहुंचने के साथ ही घाटों पर दीये बिछाने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। स्वयंसेवक निर्धारित घाटों पर दीप सज्जा की जिम्मेदारी संभालेंगे।

कुलपति ने अपने संदेश में कहा कि युवा स्वयंसेवक इस महापर्व की सबसे मजबूत कड़ी हैं। जब वे घाटों पर दीपों की श्रृंखला सजाएंगे, तो प्रत्येक दीप में उनकी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण की झलक दिखाई देगी। उन्हें विश्वास है कि स्वयंसेवक अपनी मेहनत और सेवाभाव से एक बार फिर विश्व पटल पर नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे और इस ऐतिहासिक आयोजन को गौरवपूर्ण ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

यातायात समिति के समन्वयक प्रो. अनूप कुमार के निर्देशन में स्वयंसेवकों के आवागमन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि 25 बसों के लिए निर्धारित मार्ग और समय-सारिणी तय कर दी गई है।

- बुधवार सुबह आठ बजे से शुरू होगा स्वयंसेवकों का प्रस्थान
- विश्व पटल पर नया कीर्तिमान बनाने को तैयार अवध विश्वविद्यालय की टीम
- दीपोत्सव की तैयारियों में जुटेंगे स्वयंसेवक, घाटों पर दीये बिछाने का काम शुरू

तैयारी : नदी किनारे बल्ली-बांस जालियों से लगाकर कराई जा रही बैरिकेडिंग

ऐतिहासिक हेतमापुर मेले की तैयारियां तेज

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। कार्तिक मास में दीपावली के बाद गोवर्धन पूजा से लेकर यम द्वितीया और भैया दूज तक सरयू नदी के पावन तट पर लगने वाले ऐतिहासिक मेले की तैयारियां तेज हो गई हैं। सूरतगंज क्षेत्र स्थित हेमतमापुर बाबा नारायण दास धाम में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस पांच दिवसीय मेले को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए मेला कमेटी ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए इस बार सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मंदिर परिसर से लेकर सरयू-घाघरा नदी के किनारों तक भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे हैं। मेले में दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नदी के किनारों पर बल्ली-बांस और जाली लगाकर बैरिकेडिंग कराई जा रही है। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को नदी के गहरे पानी और तेज बहाव वाले क्षेत्रों में जाने से रोकना है। वहीं, मेले के विभिन्न स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की भी तैयारी की जा रही है, जिससे भीड़भाड़ वाले इलाकों पर लगातार नजर रखी जा सके। मंदिर परिसर के आसपास भी बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जा रही है, ताकि दर्शन-पूजन के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही व्यवस्थित रहे और अनावश्यक भीड़ एकत्र न होने पाए। मेला कमेटी का प्रयास है कि श्रद्धालु सुरक्षित माहौल में स्नान, दर्शन और मेले का आनंद ले सकें। श्रद्धालु मंदिर में अनाज, प्रसाद और अन्य पूजन सामग्री अर्पित करते हैं। पांच दिनों तक चलने वाले मेले में धार्मिक आयोजनों के साथ भजन-कीर्तन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और विभिन्न प्रकार के आयोजन भी आकर्षण का केंद्र रहते हैं। वहीं, मेले में अस्थायी दुकानें, खानपान और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की दुकानें भी सजती हैं। इससे मेले में धार्मिक आस्था के साथ ग्रामीण बाजार और लोक संस्कृति की भी झलक देखने को मिलती है। मेले को लेकर

आस्था का केंद्र है हेतमापुर धाम, दूर-दराज से पहुंचते हैं श्रद्धालु

सरयू नदी के तट पर स्थित बाबा नारायण दास धाम का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व क्षेत्र में विशेष स्थान रखता है। कार्तिक मास में आयोजित होने वाले इस ऐतिहासिक मेले में बाराबंकी के अलावा आसपास के जनपदों और दूर-दराज के क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, कार्तिक मास में सरयू नदी में स्नान और बाबा नारायण दास के दरबार में दर्शन-पूजन करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। इसी आस्था के चलते श्रद्धालु परिवार सहित यहां पहुंचकर नदी में स्नान करते हैं और बाबा के दरबार में माथा टेककर सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए किए जा रहे विशेष इंतजाम

इस बार मेले में संभावित भीड़ को देखते हुए मेला कमेटी व्यवस्थाओं को समय रहते पूरा कराने में जुटी है। नदी के किनारों पर बैरिकेडिंग, मंदिर परिसर में भीड़ नियंत्रण और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी की व्यवस्था की जा रही है। खासतौर पर नदी में स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि कोई भी व्यक्ति निर्धारित सुरक्षित सीमा से आगे न जाए।

विशेषज्ञों की टीम ने परखी विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था

आपदा से निपटने के लिए तैयार होंगे नौनिहाल

बच्चों को भूकंप, बाढ़ और आग जैसी आपदाओं से बचाव के सिखाए तरीके

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। बच्चों की सुरक्षा केवल विद्यालय की चारदीवारी तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए जागरूक और सक्षम बनाना भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से विकासखंड फतेहपुर के कंपोजिट विद्यालय सिहाली में समग्र शिक्षा के तत्वावधान में प्रदेशव्यापी स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के तहत स्कूल सेफ्टी ऑडिट का आयोजन किया गया। इस दौरान विशेषज्ञों की टीम ने विद्यालय परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की पड़ताल की और विद्यार्थियों को आपदा से बचाव के व्यावहारिक तरीके बताए।

ऑडिट के लिए पहुंची विशेषज्ञ टीम में अग्नि सुरक्षा एक्सपर्ट सूरज गुप्ता, सिविल एक्सपर्ट शुभंकर और डिजास्टर एक्सपर्ट विपिन सिंह शामिल रहे। टीम ने विद्यालय भवन की संरचनात्मक मजबूती, अग्निशमन व्यवस्था, विद्युत सुरक्षा, आपातकालीन निकासी मार्ग और आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का बारीकी से निरीक्षण किया। विशेषज्ञों ने संभावित जोखिमों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारियां भी साझा कीं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को भूकंप, बाढ़ और आग जैसी प्राकृतिक एवं आकस्मिक आपदाओं के समय घबराने के बजाय सूझबूझ से काम लेने के तरीके समझाए गए। उन्हें बताया गया कि आपात स्थिति में सुरक्षित स्थान तक कैसे पहुंचें, दूसरों की मदद कैसे करें और बचाव के दौरान किन सावधानियों का ध्यान रखना चाहिए। विशेषज्ञों ने बच्चों के साथ संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश वर्मा, सहायक शिक्षक अजय सिंह, सरिता मैम एवं अन्य शिक्षकगण मौजूद रहे। शिक्षकों ने टीम को विद्यालय की व्यवस्थाओं से संबंधित आवश्यक जानकारियां उपलब्ध कराईं।

दो साल पहले हो चुकी है मौत, वनखोदवा गांव में 22 नामजद और करीब 20 अज्ञात पर दर्ज हुई थी एफआईआर

हत्या के बाद आगजनी के मुकदमे में मृतक भी नामजद

कार्रवाई

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। भीटी थाना क्षेत्र के वनखोदवा गांव में महिला की हत्या के बाद हुई आगजनी के मुकदमे ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आगजनी के आरोप में दर्ज एफआईआर में एक ऐसे व्यक्ति का नाम भी शामिल है, जिसकी ग्रामीणों के मुताबिक दो साल पहले ही मौत हो चुकी है। मृत व्यक्ति को आरोपी बनाए जाने की जानकारी सामने आने के बाद मुकदमा दर्ज करने से पहले नामजद लोगों के सत्यापन को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

वनखोदवा गांव में 13 अक्टूबर को सुषमा की हत्या हुई थी। घटना के अगले दिन 14 अक्टूबर को आरोपी के घर में आगजनी हुई। इस मामले में आरोपी के भाई अमन निषाद की तहरीर पर भीटी पुलिस ने 22 नामजद और करीब 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। एफआईआर में महेश कुमार निषाद पुत्र बाबूलाल निषाद का नाम भी शामिल किया गया है।

ग्रामीणों का दावा है कि महेश कुमार निषाद की दो साल पहले ही मौत हो चुकी है। ऐसे में सवाल है कि जब संबंधित व्यक्ति जीवित ही नहीं है तो उसका नाम आगजनी के मुकदमे में

ग्रामीणों ने उठाए पुलिस की सत्यापन प्रक्रिया पर सवाल

> यह मामला अब केवल एक व्यक्ति का नाम एफआईआर में शामिल होने तक सीमित नहीं है। इससे मुकदमा दर्ज करने से पहले नामजद आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाने और उसका सत्यापन करने की प्रक्रिया भी चर्चा में आ गई है।

एफआईआर में नाम शामिल होने से उठे सवाल

मृतक का नाम मुकदमे में दर्ज होने की जानकारी सामने आने के बाद ग्रामीणों ने पुलिस की जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि नामजद आरोपियों की जानकारी की पुष्टि किए बिना मुकदमा दर्ज होने से पुलिस की कार्रवाई पर संदेह पैदा होता है। ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जांच में पुष्टि होने पर एफआईआर से मृत व्यक्ति का नाम हटाने की मांग की है।

आरोपी के तौर पर कैसे दर्ज हो गया। क्या एफआईआर दर्ज करने से पहले नामजद लोगों की पहचान और उनके बारे में जरूरी जानकारी का सत्यापन किया गया था? ग्रामीणों का कहना है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि मृतक का नाम किन परिस्थितियों में मुकदमे में शामिल हुआ। इस संबंध में सीओ लक्ष्मीकांत ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मोबाइल लैब की जांच में 24 खाद्य नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे

तीन दिन में 42 प्रतिष्ठानों से मिठाई, मसाले और दुग्ध उत्पादों के 127 नमूनों की मौके पर हुई जांच, कारोबारियों को सुधार के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। खाद्य पदार्थों में मिलावट की जांच और सुरक्षित खानपान के प्रति जागरूकता के लिए जिले में तीन दिवसीय अभियान चलाया गया। एक से तीन नवंबर तक मोबाइल प्रयोगशाला (एफएसडब्ल्यू वैन) के माध्यम से 42 खाद्य प्रतिष्ठानों पर जांच की गई। इस दौरान मिठाई, मसाले, फास्ट फूड सामग्री और दुग्ध उत्पादों के कुल 127 नमूनों की मौके पर जांच हुई। इनमें 24 नमूने मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। जांच में खाद्य रंग की मात्रा अधिक मिलने के कारण लड्डू, बतीसा, बिरयानी और वेज कबाब समेत विभिन्न खाद्य पदार्थों के 16 नमूने मानक के अनुरूप नहीं मिले।

मिठाइयों के छह नमूनों में स्टार्च की मौजूदगी पाई गई। इसके अलावा चीज का एक और मसाले का एक नमूना भी मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया। संबंधित खाद्य कारोबारियों को कमियों की जानकारी देकर उनमें सुधार करने के निर्देश दिए गए।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के इस अभियान के तहत मोबाइल प्रयोगशाला लोहिया भवन, चनवा चौराहा, रामपुर सकरवारी, बेवाना, कलेक्ट्रेट के निकट, पटेल तिराहा, अकबरपुर बस स्टॉप, पहितीपुर रोड शहजादपुर, संघतिया नाका शहजादपुर, मौहरिया बाईपास और निबियहवा पोखरा सहित 11 स्थानों पर पहुंची। इस दौरान लगभग 259 खाद्य कारोबारियों और आम लोगों को खाद्य पदार्थों में मिलावट की घरेलू स्तर पर जांच करने के तरीकों की जानकारी दी गई।

फास्ट न्यूज

श्रमिकों को योजनाओं से जोड़ने के लिए लगा जागरूकता शिविर

अंबेडकरनगर। श्रमिकों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और उन्हें डिजिटल सुविधाओं से जोड़ने के लिए मंगलवार को अकबरपुर के करकर्मा जगदीशपुर में श्रम विभाग की ओर से जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में श्रमिकों को भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की योजनाओं, पंजीकरण और नवीनीकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

शैक्षिक अभिलेखों की जांच की खबर से तहसीलों में जुटे शिक्षक

अंबेडकरनगर। प्रदेशभर के शिक्षकों के शैक्षिक अभिलेखों की जांच की खबरों के बीच जिले में भी हलचल तेज हो गई है। मंगलवार को आलापुर, टांडा, भीटी, जलालपुर और अकबरपुर तहसीलों में नोटरी शपथपत्र बनवाने के लिए शिक्षकों की भीड़ जुटी रही। तहसील परिसरों में शिक्षकों की आवाजाही और नोटरी अधिवक्ताओं के यहां लगी कतारें चर्चा का विषय बनी रहीं।

बताया जा रहा है कि आरटीआई के तहत एक व्यक्ति ने प्रदेश के सभी शिक्षकों के शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रतियां मांगी हैं।

मारपीट और गाली-गलौज के मामले में वारंटी गिरफ्तार

अंबेडकरनगर। मालीपुर पुलिस ने मंगलवार को मारपीट और गाली-गलौज के मामले में लंबे समय से वांछित चल रहे 63 वर्षीय लाल बहादुर को गिरफ्तार किया। वह मालीपुर थाना क्षेत्र के रामपुर दूबे (गुवाव जमालपुर) गांव का निवासी है। पुलिस के अनुसार, लाल बहादुर के खिलाफ मारपीट और गाली-गलौज के आरोप में मामला दर्ज था।

कांदीपुर की रामलीला को स्थायी ठिकाना दिलाने की पहल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जलालपुर विधानसभा क्षेत्र के कांदीपुर में वर्षों से आयोजित हो रही रामलीला को स्थायी मंचन स्थल मिलने की उम्मीद जगी है। ग्रामसभा की भूमि प्रबंधन समिति ने रामलीला समिति के नाम जमीन आवंटित करने का प्रस्ताव तैयार किया है। प्रस्ताव को मंजूरी दिलाने के लिए पूर्व सांसद एवं भाजपा नेता रितेश पांडेय और जलालपुर विधायक राकेश पांडेय ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र भेजा है। प्रस्ताव में गाटा संख्या 1254 की 0.063000 हेक्टेयर भूमि रामलीला समिति को आवंटित करने की बात कही गई है। इसी स्थान पर लंबे समय से रामलीला का मंचन होता आ रहा है। जमीन आवंटित होने से समिति को आयोजन और उसकी तैयारियों के लिए स्थायी स्थान मिल सकेगा। इससे हर साल होने वाले मंचन के लिए स्थान को लेकर अनिश्चितता भी दूर हो सकेगी। भूमि आवंटन के

> भूमि प्रबंधन समिति ने 0.063 हेक्टेयर जमीन आवंटित करने का प्रस्ताव भेजा, पूर्व सांसद और विधायक ने डीएम से मांगी मंजूरी

प्रस्ताव में रामलीला मंचन के साथ इस स्थान को सांस्कृतिक और सामुदायिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करने की बात भी शामिल है। इससे रामलीला के आयोजन के अलावा अन्य सामूहिक कार्यक्रमों के लिए भी स्थान उपलब्ध हो सकेगा।

खेत में पहुंचीं डीएम, खुद हसिया थाम काटी धान की फसल

क्रॉप कटिंग से परखी पैदावार, 43.30 वर्ग मीटर में निकला 21.160 किलो धान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। धान की फसल खेत में पककर तैयार हुई तो उसकी पैदावार का आकलन करने के लिए जिलाधिकारी ईशा प्रिया खुद खेत में पहुंचीं। आलापुर तहसील के देवरिया बुजुर्ग गांव में उन्होंने किसान के खेत में हसिया थामकर धान की फसल काटी। इसके बाद निर्धारित क्षेत्रफल में फसल की कटाई और मड़ाई कराकर उपज का वजन कराया गया। क्रॉप कटिंग के इस प्रयोग में प्रति हेक्टेयर 48.8 क्विंटल धान उत्पादन का आकलन किया गया।

खरीफ सीजन की फसल की उत्पादकता जांचने के लिए क्रॉप कटिंग का प्रयोग सीसीई एग्री ऐप के माध्यम से किया गया। इसके लिए ऑनलाइन रैंडम चयन के आधार पर देवरिया बुजुर्ग गांव के गाटा संख्या 384 में किसान तुफेल अहमद का खेत चुना गया था। मौके पर अधिकारियों की मौजूदगी में 10 मीटर भुजा वाले समबाहु त्रिभुज के आकार में 43.30 वर्ग मीटर क्षेत्र निर्धारित किया गया। इसी हिस्से में धान की फसल काटी गई। कटाई के बाद फसल की मड़ाई कराकर प्राप्त धान का वजन कराया गया, जो 21.160 किलोग्राम निकला।

उपज के आंकड़ों से तय होती है उत्पादकता

क्रॉप कटिंग के प्रयोग से किसी क्षेत्र में फसल की औसत पैदावार का आकलन किया जाता है। कृषि विभाग जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में निर्धारित प्रक्रिया के तहत फसलों की कटाई और मड़ाई कराकर उत्पादन के आंकड़े जुटाता है। इन्हीं आंकड़ों के आधार पर विभिन्न फसलों की प्रति हेक्टेयर उत्पादकता तय होती है और जिले की कृषि उत्पादन रिपोर्ट शासन को भेजी जाती है। फसल बीमा योजना के तहत किसानों को मिलने वाले क्षतिपूर्ति आकलन में भी क्रॉप कटिंग के आंकड़े महत्वपूर्ण होते हैं।

दीपावली पर रोशनी से पहले स्वच्छता की तैयारी, गांवों में उतरी सफाई टीम

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। दीपावली पर घर-आंगन रोशन करने की तैयारी के साथ बसखारी ब्लॉक के गांवों को स्वच्छ बनाने की मुहिम भी तेज हो गई है। त्योहार से पहले ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए ब्लॉक की विभिन्न ग्राम पंचायतों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। एडीओ पंचायत उमा शंकर सिंह ने अभियान की कमान संभालते हुए सफाई कार्यों को गति दी है। अभियान के तहत गांवों की गलियों, संपर्क मार्गों, सार्वजनिक स्थलों और नालियों की सफाई कराई जा रही है। खासतौर पर उन स्थानों पर ध्यान दिया जा रहा है, जहां नियमित सफाई की जरूरत है। ग्राम पंचायतों में तैनात सफाई कर्मियों को अभियान में लगाया गया है। उनके माध्यम से अलग-अलग क्षेत्रों में सफाई का काम कराया जा रहा है।

दीपावली के दौरान गांवों में लोगों की आवाजाही बढ़ती है। ऐसे में सार्वजनिक स्थानों और रास्तों पर

> बसखारी ब्लॉक में विशेष अभियान की कमान एडीओ पंचायत उमा शंकर सिंह ने संभाली, गलियों से लेकर सार्वजनिक स्थलों तक सफाई पर जोर

गंदगी न रहे, इसके लिए सफाई अभियान को प्राथमिकता दी जा रही है। एडीओ पंचायत उमा शंकर सिंह अभियान की निगरानी कर रहे हैं, ताकि ग्राम पंचायतों में सफाई कार्य व्यवस्थित ढंग से हो सके।

बसखारी ब्लॉक में चल रही इस पहल का उद्देश्य दीपावली से पहले गांवों को साफ-सुथरा बनाना है।

जमुनीपुर बाजार में आधे घंटे तक तनाव

दो पक्षों में कहासुनी के बाद असलहे लहराने का आरोप, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जमुनीपुर बाजार में सोमवार रात दो पक्षों के बीच विवाद ने तनाव की स्थिति पैदा कर दी। प्रधान सुभाष वर्मा करीब 25 समर्थकों के साथ दूसरे पक्ष के लोगों से आमने-सामने हो गए। कहासुनी के दौरान दोनों ओर से असलहे लहराए जाने का आरोप लगा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। पुलिस ने कुछ लोगों को चिह्नित कर मुकदमा दर्ज किया है। एहतियातन बाजार में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

घटना रात करीब सात बजे की है। प्रधान सुभाष वर्मा ने पुलिस को सूचना दी कि कुछ लोग अवैध असलहे लेकर बाजार में घूम रहे हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो प्रधान अपने समर्थकों के साथ मोनू सिंह, सोनू सिंह, विवेक यादव और तीन अन्य लोगों से विवाद करते मिले। दोनों पक्षों के बीच तीखी कहासुनी हो रही थी। इस दौरान असलहे लहराने की बात भी सामने आई। पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति संभाली।

घटना के बाद पुलिस ने विवाद में शामिल कुछ लोगों को चिह्नित कर मुकदमा दर्ज किया। बाजार में पुलिसकर्मियों की तैनाती भी कर दी गई है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि विवाद के बाद भी दोनों पक्षों के बीच तनातनी बनी हुई है। उन्हें आशंका है कि फिर से झगड़ा हो सकता है।

वर्चस्व की होड़ में पहले भी हो चुका है हंगामा

स्थानीय लोगों के मुताबिक, जमुनीपुर बाजार में अलग-अलग गुटों के बीच वर्चस्व को लेकर पहले भी विवाद होते रहे हैं। कुछ लोगों पर बाजार में दबदबा कायम करने और वसूली के लिए दबाव बनाने के आरोप लगाए जाते हैं। हालांकि, इन आरोपों की पुलिस ने पुष्टि नहीं की है। ताजा घटना के बाद बाजार में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दुकानदारों की चिंता बढ़ गई है।

> अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी देवेश चतुर्वेदी ने बताया कि प्रधान सुभाष वर्मा ने कुछ लोगों के अवैध असलहे के साथ घूमने की सूचना दी थी। जांच में यह सूचना झूठी पाई गई। पुलिस को कोई अवैध असलहा नहीं मिला। मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

10 सबसे कम उपस्थिति वाले स्कूलों की बनेगी सूची, सुधार की तैयारी

नरहरपुर कंपोजिट विद्यालय का निर्माण नवंबर में पूरा करने की चेतावनी

> निपुण टास्क फोर्स की बैठक में डीएम ने दिए निर्देश, शिक्षक प्रशिक्षण 91 प्रतिशत पूरा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। परिषदीय विद्यालयों में नामांकन के सापेक्ष कम उपस्थिति वाले स्कूलों की अब अलग से निगरानी होगी। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने अक्टूबर और नवंबर में सबसे कम छात्र उपस्थिति वाले 10 विद्यालयों की सूची तैयार कर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति तथा निपुण टास्क फोर्स की बैठक में उन्होंने शैक्षिक गुणवत्ता, शिक्षक प्रशिक्षण और विद्यालयों में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की।

बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जिले में लक्ष्य के सापेक्ष शिक्षकों का प्रशिक्षण 91 प्रतिशत पूरा हो चुका है। इस पर जिलाधिकारी ने शेष शिक्षकों का प्रशिक्षण भी जल्द पूरा कराने को कहा। उन्होंने विद्यालयों में बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने और पढ़ाई को रुचिकर व गुणवत्तापूर्ण बनाने पर जोर दिया। बाल वाटिका के तहत जिले के सभी 183 को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों पर आउटडोर प्ले मैटेरियल की आपूर्ति पूरी हो चुकी है। रामनगर, जहांगीरगंज और बसखारी विकासखंड की सत्यापन रिपोर्ट भी मिल गई है। शेष विकासखंडों में सत्यापन पूरा कर रिपोर्ट देने के निर्देश संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों को दिए गए। ऑपरेशन कायाकल्प की समीक्षा में जिलाधिकारी ने सभी परिषदीय विद्यालयों को निर्धारित 19 पैरामीटर पर शत-प्रतिशत संतृप्त करने के निर्देश दिए। निर्माणाधीन मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय नरहरपुर की धीमी प्रगति पर उन्होंने नाराजगी जताई। संबंधित कार्यदायी संस्था को नोटिस जारी करने और नवंबर में हर हाल में निर्माण पूरा कर विद्यालय को विभाग को सौंपने के निर्देश दिए। बैठक में जिला विकास अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सभी खंड शिक्षा अधिकारी और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा महिला मोर्चा में शिल्पी सिंह और शीला निषाद को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। भाजपा महिला मोर्चा के जिला संगठन में शिल्पी सिंह और शीला निषाद को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। आलापुर क्षेत्र की शिल्पी सिंह को इस पद पर दोबारा मनोनीत किया गया है, जबकि पूर्व मंडल अध्यक्ष शीला निषाद को पहली बार जिला स्तर पर जिम्मेदारी सौंपी गई है। आलापुर सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र के बसहिया गंगासागर गांव निवासी शिल्पी सिंह वरिष्ठ भाजपा नेता वरुण सिंह की पत्नी हैं। वह लंबे समय से संगठन में सक्रिय हैं। जिला पंचायत की रामनगर मध्य सीट से भाजपा की अधिकृत और समर्थित प्रत्याशी के रूप में चुनाव भी लड़ चुकी हैं। वहीं, शीला निषाद मंडल अध्यक्ष के रूप में संगठनात्मक जिम्मेदारी निभा चुकी हैं। केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने के साथ महिलाओं को संगठन से जोड़ना उनकी प्राथमिकता रहेगी। दोनों के मनोनयन पर पूर्व विधायक अनीता कमल और त्रिवेणी राम, भाजपा प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक यमुना प्रसाद

> शिल्पी सिंह का दोबारा मनोनयन, पूर्व मंडल अध्यक्ष शीला निषाद को भी मिली जगह कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

चतुर्वेदी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी, अवध क्षेत्र की शोध प्रमुख डॉ. पूनम राय, पूर्व जिलाध्यक्ष कपिल देव वर्मा, जिला उपाध्यक्ष अमरेन्द्र कांत सिंह और सुमन पाण्डेय, जिला मंत्री अंजू पाण्डेय और अभिषेक निषाद समेत पार्टी के कई पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने बधाई दी।

तैयार : जिले के 132 इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक केंद्रों पर मिलेगी सुविधा

डाकघरों में होगा पांच साल तक के बच्चों का आधार पंजीकरण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में आधार पंजीकरण से छूटे बच्चों को चिह्नित कर उनका नामांकन कराया जाएगा। इसके लिए जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) के प्रतिनिधियों को जिला कार्यक्रम अधिकारी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से समन्वय कर रोस्टर तैयार करने के निर्देश दिए हैं। अभियान चलाकर बच्चों का नया आधार बनवाने के साथ जरूरी बायोमेट्रिक संशोधन भी कराया जाएगा। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय आधार अनुश्रवण समिति की बैठक में आईपीपीबी प्रतिनिधि ने बताया कि जिले के 132 केंद्रों पर पांच वर्ष

> बैठक में बताया गया कि सरकारी योजनाओं में ओटीपी सत्यापन, ई-केवाईसी और डीबीटी जैसी प्रक्रियाओं के लिए आधार से जुड़ा मोबाइल नंबर जरूरी होता है। इसलिए मोबाइल नंबर अपडेट रखना महत्वपूर्ण है।

तक के बच्चों का नया आधार नामांकन और आधार में मोबाइल नंबर अपडेट कराने की सुविधा उपलब्ध है। अभिभावक नजदीकी डाकघर में संपर्क कर इसका लाभ ले सकते हैं। यूआईडीएआई के प्रतिनिधि ने बताया कि अकबरपुर स्थित आधार सेवा केंद्र पर सभी आयु वर्ग के लोगों का नया आधार पंजीकरण निशुल्क किया जाता है। पांच से 17 वर्ष तक के बच्चों का निर्धारित अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट भी नियमानुसार निशुल्क है। केंद्र पर मोबाइल नंबर, नाम और पता संशोधन, फोटो, फिंगरप्रिंट और आइरिस अपडेट, आधार डाउनलोड व प्रिंट सहित अन्य सेवाएं उपलब्ध हैं।

शहरी क्षेत्रों में फैमिली आईडी की प्रगति बढ़ाने के निर्देश

बैठक में फैमिली आईडी योजना की भी समीक्षा की गई। नगरीय क्षेत्रों में फैमिली आईडी बनाने की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने असंतोष जताया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रभावी कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य के अनुरूप काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं उपजिलाधिकारी टांडा, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए, उपायुक्त (वीबी-जीरामजी), उपायुक्त राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

आखिरी ओवर में दो छक्के जड़कर डॉक्टर्स इलेवन ने छीनी जीत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। यातायात माह के शुभारंभ पर आराध्या श्री फाउंडेशन की ओर से आयोजित सड़क सुरक्षा सद्भावना कप में डॉक्टर्स इलेवन ने क्रिएटर्स चैंपियंस अंबेडकरनगर को चार विकेट से हरा दिया। मंगलवार को महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज, सद्दरपुर के मैदान पर खेले गए मुकाबले का फैसला आखिरी ओवर में हुआ। जीत के लिए 14 रन की जरूरत थी, जिसे डॉ. अनीश ने दो छक्के जड़कर हासिल करा दिया।

टॉस जीतकर डॉक्टर्स इलेवन के कप्तान डॉ. जीडी वर्मा ने पहले क्षेत्ररक्षण चुना। क्रिएटर्स चैंपियंस ने 14 ओवर में आठ विकेट पर 120 रन बनाए। राहुल पांडेय ने 22 गेंदों पर 36, अंगद ने 20 और सुनील कुमार फागू ने दो छक्कों की मदद से 12 रन बनाए। डॉक्टर्स इलेवन की ओर से डॉ. अभिनीत और डॉ. अनीश ने दो-दो विकेट लिए।

जवाब में डॉक्टर्स इलेवन ने 13.3 ओवर में छह विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम की शुरुआत खराब रही और 21 रन पर दोनों सलामी बल्लेबाज आउट हो गए। इसके बाद डॉ. अभिनीत यादव ने डॉ. हेमंत पालीवाल के साथ 40 और विमल कीर्ति के साथ 28 रन की साझेदारी कर पारी को संभाला। अभिनीत ने 27, हेमंत ने 22 और विमल कीर्ति ने 22 रन बनाए।

सम्पादकीय

घुसपैठिए मतदाता

दिल्ली में विपक्ष की रैली के ठीक अगले दिन हैदराबाद में गृहमंत्री अमित शाह ने विपक्षी नेताओं और विशेष रूप से राहुल गांधी को जिस तरह निशाने पर लिया, उससे यह साफ है कि सत्तापक्ष उनके दुष्प्रचार आधारित दबाव में आने के बजाय उनके झूठे नैरेटिव का प्रतिकार करने को प्रतिबद्ध है। मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण की प्रक्रिया यानी एसआइआर के तहत जारी मसौदा सूची से करीब 13 करोड़ नाम वोटर लिस्ट से हटाने को विपक्ष केवल वोट चोरी बताने में ही नहीं लगा, बल्कि इस मामले में वकील संग जज भी बना हुआ है। वह यह सुनने-समझने को तैयार नहीं कि इन 13 करोड़ लोगों में 6.30 करोड़ वे हैं, जो स्थायी रूप से अन्यत्र स्थानांतरित हो गए, करीब 2.80 करोड़ वे हैं, जिनकी मृत्यु हो चुकी है, एक करोड़ से अधिक के नाम दो या तीन जगह दर्ज थे और लगभग तीन करोड़ लोग सत्यापन के समय अपने पते पर मिले ही नहीं। गृहमंत्री ने दो टूक कहा कि ये तीन करोड़ वस्तुतः घुसपैठिए हैं और इनके नाम वोटर लिस्ट से बाहर होकर रहेंगे। उनका यह दावा इसलिए सच जान पड़ता है, क्योंकि ऐसे तीन करोड़ लोगों के बारे में उनके पड़ोसी भी जानकारी नहीं दे पा रहे हैं। आखिर विपक्ष इस पर क्यों तुला है कि जो अन्यत्र बस गए या मर गए अथवा जिनके नाम एक से अधिक जगह दर्ज हैं और जो खोजने पर भी नहीं मिल रहे हैं, उनका नाम वोटर लिस्ट में क्यों होना चाहिए? वह इस सच से अनजान नहीं कि देश में दशकों से बड़े पैमाने पर बांग्लादेशियों की घुसपैठ हुई है और उन्होंने बंगाल, असम, त्रिपुरा के कुछ हिस्सों में डेमोग्राफी भी बदल दी है। कांग्रेस, वामदल और तृणमूल कांग्रेस तो यह कहीं अच्छे से जानते हैं कि असंख्य बांग्लादेशियों ने छल-छद्म से हर तरह के पहचान पत्र प्राप्त कर खुद को भारतीय नागरिक में तब्दील कर लिया है, क्योंकि इन दलों ने संकीर्ण राजनीतिक कारणों से उन्हें संरक्षण देकर अपना वोट बैंक बनाया।

इसी कारण बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों के अलावा अवैध बांग्लादेशी उत्तर, पश्चिम के साथ दक्षिण भारत के कई राज्यों में भी मतदाता बन गए हैं। विपक्ष ने बिहार में एसआइआर के तहत 65 लाख नाम हटाए जाने पर भी वोट चोरी का शोर मचाया था, लेकिन वह ऐसे 65 लोगों को भी सामने नहीं ला पाया था। तथ्य यह भी है कि कांग्रेस नेता कर्नाटक और केरलम में एसआइआर की प्रक्रिया को सही बताकर चुनाव आयोग को धन्यवाद दे चुके हैं। निःसंदेह यह संभव है कि किसी वैध मतदाता का नाम किसी गलती-गफलत से वोटर लिस्ट से बाहर हो गया हो, पर इसका यह अर्थ नहीं कि उसका नाम फिर से शामिल हो ही नहीं सकता। आखिर जब इसकी सुविधा उपलब्ध है, तब फिर वोट चोरी के विपक्ष के राग को बेसुरा और बरगलाने वाला ही कहा जाएगा।

> 66
> इस मोड़ पर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आने वाले दिनों में आम आदमी पार्टी के कितने और विधायक या नेता भाजपा का दामन थाम सकते हैं? राजनीतिक गलियारों और खुफिया रिपोर्टों में यह चर्चा आम है कि आम आदमी पार्टी के कम से कम 20 से 30 विधायक भाजपा और कांग्रेस के संपर्क में हैं।

जाब की सियासत में 'कमल' की दस्तक और आम आदमी पार्टी का अंतर्विरोध

पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 की तारीखें अभी आधिकारिक तौर पर घोषित नहीं हुई हैं, लेकिन राज्य की राजनीतिक बिसात पर शह और मात का खेल अपने चरम पर पहुंच चुका है। आम आदमी पार्टी द्वारा 31 अक्टूबर 2026 को अपने 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी किए जाने के ठीक बाद, पार्टी के भीतर सुलग रही असंतोष की चिंगारी एक बड़े विस्फोट में बदल गई है। अमृतसर नॉर्थ से विधायक और पूर्व आईपीएस अधिकारी कुंवर विजय प्रताप सिंह, समाना से विधायक व पूर्व स्वास्थ्य मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा, और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा का एक साथ पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होना केवल तीन विधायकों का इस्तीफा नहीं है, बल्कि यह भगवंत मान सरकार और आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के लिए एक गहरा राजनीतिक और नैतिक झटका है। नई दिल्ली में भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में 2 नवंबर 2026 को जिस तरह इन नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई, उसने इस चर्चा को फिर से हवा दे दी है कि क्या पंजाब में भी भाजपा का बहुचर्चित 'ऑपरेशन लोटस' पूरी ताकत से सक्रिय हो चुका है। इस राजनीतिक उठापटक को समझने के लिए इसके कालक्रम और पृष्ठभूमि को देखना अनिवार्य है। विपक्षी खेमे और राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, पंजाब में आम आदमी पार्टी को कमजोर करने या सत्ता परिवर्तन की इस पटकथा की शुरुआत हाल-फिलहाल में नहीं हुई, बल्कि इसकी जड़ें काफी गहरी हैं। मार्च 2024 और उसके बाद के महीनों में जब आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों का एक बड़ा धड़ा, जिसमें राघव चड्ढा और डॉ. संदीप पाठक जैसे प्रमुख चेहरे शामिल थे, धीरे-धीरे पार्टी लाइनों से दूर हुआ और बाद में 7 राज्यसभा सांसदों के एक गुट ने तकनीकी रूप से भाजपा के साथ विलय का रास्ता चुना, तभी से पंजाब की सत्ताधारी पार्टी के भीतर दरारें साफ दिखाई देने लगी थीं। उस समय भी मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसे 'गद्दारी' करार दिया था और केंद्रीय एजेंसियों के दबाव में किया गया दलबदल बताया था। इसके बाद जब भगवंत मान सरकार ने जालंधर में अपना शक्ति प्रदर्शन करने के लिए विधायकों की बैठक बुलाई, तो 94 विधायकों में से केवल 65 विधायक ही वहां पहुंचे। यह इस बात का स्पष्ट संकेत था कि पार्टी के लगभग 29 विधायक या तो नेतृत्व से नाराज थे या किसी अन्य राजनीतिक विकल्प की तलाश में थे। अब, नवंबर 2026 की शुरुआत में तीन सिटिंग विधायकों का इस्तीफा देना इसी सिलसिले की अगली और अधिक आक्रामक कड़ी है। संसदीय लोकतंत्र में जब भी किसी राज्य में सत्ताधारी दल के विधायक विपक्षी दल में शामिल होते हैं, तो सत्ता पक्ष द्वारा इसे 'ऑपरेशन लोटस' की संज्ञा दी जाती है। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि भाजपा धनबल, बाहुबल और केंद्रीय जांच एजेंसियों जैसे प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई के डर का इस्तेमाल कर लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है। देश के राजनीतिक इतिहास में कर्नाटक, मध्य प्रदेश और गोवा जैसे राज्यों में सरकारों का गिरना या विधायकों का बड़े पैमाने पर दलबदल करना इस रणनीति का हिस्सा माना जाता रहा है। पंजाब के संदर्भ में भी, तीन विधायकों के भाजपा में जाने के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उनका तर्क है कि पंजाब की जनता ने 2022 में आम आदमी पार्टी को 92 सीटों का प्रचंड बहुमत देकर बदलाव की जो जिम्मेदारी सौंपी थी, भाजपा उसे चोर दरवाजे से हथियाना चाहती है। हालांकि, इस सिक्के का दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पार्टी छोड़ने वाले विधायकों ने जो आरोप लगाए हैं, वे केवल राजनीतिक अवसरवाद की कहानी नहीं कहते, बल्कि वे शासन और प्रशासन की गंभीर विफलताओं की ओर इशारा करते हैं। इस्तीफा देने वाले तीनों नेताओं—कुंवर विजय प्रताप, चेतन सिंह जौड़ामाजरा और हरमीत सिंह पठानमाजरा—ने मीडिया के सामने आकर अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। कुंवर विजय प्रताप सिंह, जिन्होंने 2015 के कोटकपूरा और बहबल कलां गुरु ग्रंथ साहिब बेअदबी मामले की जांच करने वाली एसआइटी का नेतृत्व किया था, लंबे समय से आम आदमी पार्टी की कार्यप्रणाली से असंतुष्ट चल रहे थे। उनका आरोप है कि जिस बेअदबी मामले को सुलझाने और दोषियों को सजा दिलाने के वादे पर आम आदमी पार्टी सत्ता में आई थी, उस पर मान सरकार ने जानबूझकर ढीली पैरवी की और राजनीति की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पंजाब के 'स्कूल्स ऑफ एमिनेंस' के दावों पर सवाल उठाए और राज्य में फैले माफिया राज की निंदा की। वहीं, पूर्व मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा और हरमीत सिंह पठानमाजरा ने सीधे तौर पर पंजाब में बढ़ते नशे (चिट्टा) के कारोबार, कानून-व्यवस्था के ध्वस्त होने, बेलगाम गैंगस्टर संस्कृति और राज्य पर बढ़ते ढाई लाख करोड़ रुपये के कर्ज को अपनी नाराजगी का कारण बताया। इन नेताओं का सबसे गंभीर आरोप यह है कि पंजाब की चुनी हुई सरकार को चंडीगढ़ से नहीं, बल्कि दिल्ली में बैठे कुछ खास लोगों और उनके सलाहकारों (जैसे विभव कुमार) द्वारा चलाया जा रहा है, जिससे स्थानीय विधायकों और मंत्रियों की गरिमा को ठेस पहुंची है। विशेष रूप से वे विधायक, जिन्हें डर है कि 2027 के चुनावों में उनका टिकट काटा जा सकता है, या जो भगवंत मान की कार्यशैली से लंबे समय से असंतुष्ट हैं, वे बहुत जल्द बड़ा कदम उठा सकते हैं। भाजपा के पंजाब प्रभारी सतीश पूनिया और राज्य इकाई के अध्यक्ष के अनुसार, यह केवल शुरुआत है और आने वाले दिनों में आम आदमी पार्टी के कई और बड़े चेहरे भाजपा में शामिल होंगे क्योंकि 'झाड़ू' का कुनबा पूरी तरह बिखर चुका है। पार्टी के भीतर असंतोष का मुख्य कारण टिकट वितरण की नीति और हाल ही में किए गए संगठनात्मक बदलाव हैं। उदाहरण के लिए, समाना निर्वाचन क्षेत्र में चेतन सिंह जौड़ामाजरा की अनदेखी कर शिरोमणि अकाली दल के पूर्व वरिष्ठ नेता सुरजीत सिंह रखड़ा को हलका इंचार्ज बना दिया गया, जिससे जौड़ामाजरा का टिकट कटना तय माना जा रहा था। इसी प्रकार, कई अन्य क्षेत्रों में भी पुराने वफादारों को दरकिनार कर पैराशूट नेताओं को तरजीह दी जा रही है, जो आने वाले समय में एक बड़ी भगदड़ का कारण बन सकता है। भाजपा के लिए पंजाब हमेशा से एक कठिन राजनीतिक मैदान रहा है, विशेष रूप से तीन कृषि कानूनों के विरोध में हुए किसान आंदोलनों के बाद से ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी को भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब, शिरोमणि अकाली दल के कमजोर होने और आम आदमी पार्टी के भीतर मचे इस घमासान के बीच, भाजपा पंजाब में अपने दम पर एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरने की कोशिश कर रही है।

- अशोक भाटिया

ऊर्जा की ऊर्ध्वयात्रा

बीज को वृक्ष बनने के लिए लम्बी यात्रा करनी पड़तो हैं । बीज यदि बीज ही रहें तो विश्व को वह उपलब्ध नहीं होता जो वृक्ष से हो सकता हैं । पत्र, पुष्प, फल, छाया और ईंधन- ये सब बीज के विकास से ही संभव होते हैं । चेतना को भी विकास के शिखर तक पहुंचाने के लिए बहुत लम्बी यात्रा करनी होती हैं । वह यदि चेतना सुप्त रहें तो उसे वह उपलब्ध नहीं हो सकता हैं , जिसकी हम अपेक्षा करते हैं । मैत्री, शान्ति, सौहार्द, सद्भावना , समता और समन्वय आदि - ये सारे तत्व जागृत चेतना से फलित हो सकते हैं । मानव तन संरचना ऐसी बनाई गई है कि उससे दैनिक आवश्यक कार्यों के साथ-साथ आत्म हितैषी कारज भी किये जा सकते हैं । उदाहरणार्थ : हमको भगवान् ने जग दर्शन को नयन दिए हैं पर साथ ही साथ हमारे आत्म दर्शन का भी योग हो। पर अधिकांशतः मानव आध्यात्मिक पक्ष याद नहीं रखता और अपने को भौतिक उपलब्धियों में ही दक्ष बनाने में लगा रहता है ।क्योंकि नयन एक बार रुपया-पैसा देखन को अटका देता है ।हीरे-जवाहरात,जमीन-जायदाद और आकर्षक प्रासाद वह आलीशान दीखना आदि - आदि तो फिर आत्म-दर्शन का भान किसे रहता है । क्योंकि सब आंखें खोल कर देखते हैं पर आत्म-दर्शन आंखें बंद कर होता है जिसका नाम ध्यान है । लेकिन हम तो आंखों पर काम-क्रोध, मोह, लोभ आदि की पट्टी बांध भौतिक जगत का चक्कर लगाते जा रहें है और अपनी जिन्दगी को बर्बाद कर रहें है। वैसे तो हमको भौतिकता के कोलाहल में आध्यात्मिकता का स्वर कुछ स्पष्ट सुनाई ही नहीं दे रहा है पर यदि किसी की जेब से गिर जाए एक चांदी का रुपया पत्थर पर तो पता नहीं उसकी टंकार कैसे सुन लेते हैं । वह उसको झपटने दौड़े-दौड़े आ कर बीसों चले आते हैं। सीधी सी बात कि लोग वही सुनते हैं , वही सोचते हैं, वही देखते हैं, जहां उनका प्रयोजन सही होता है। संतों ने सार में यही तो कहा है कि जीवन को एक विकास की यात्रा बनाओ । उसको भौतिकता की नहीं आध्यात्मिकता के ऊर्ध्वगमन की यात्रा बनाओं । चेतना - जागरण के लिए ऊर्जा की ऊर्ध्वयात्रा करनी होती हैं । ऊर्जा का प्रवाह नीचे की और जाता हैं तब काम- चेतना का विकास होता हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

आईपीएस अधिकारी...

कुमार कृष्णन

पदक से आगे : बिहार पुलिस की असली कसौटी

बिहार पुलिस के सात अधिकारियों और कर्मियों को केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक से सम्मानित किया जाना केवल विभागीय उपलब्धि का विषय नहीं है। यह अवसर पुलिस व्यवस्था की बदलती भूमिका, अपराध अनुसंधान में पेशेवर दक्षता और लोकतांत्रिक समाज में पुलिस की सामाजिक जवाबदेही पर विचार करने का भी है। किसी पुलिस अधिकारी की सफलता केवल अपराधियों की गिरफ्तारी या किसी जटिल मामले के खुलासे से नहीं मापी जा सकती। उसकी असली कसौटी यह है कि वह कानून के शासन को कितना मजबूत करता है, आम नागरिकों में कितना भरोसा पैदा करता है और समाज के कमजोर तबकों को न्याय दिलाने में कितनी संवेदनशीलता दिखाता है। गृह मंत्रालय ने 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर इन पदकों की घोषणा की। बिहार से सम्मानित होने वालों में दो आईपीएस अधिकारी आशीष भारती और स्वीटी सहरावत के अलावा अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार पांडेय, पुलिस उपाधीक्षक संतोष कुमार राय, निरीक्षक राजकिशोर कुमार और धनंजय कुमार निर्दोष तथा अवर निरीक्षक पंचम कुमार शामिल हैं। इनका चयन अनुसंधान, विशेष अभियान, असाधारण कार्यकुशलता, खुफिया जानकारी, साहस और फॉरेंसिक विज्ञान जैसे क्षेत्रों में योगदान के लिए किया गया है। यह सम्मान पुलिस संगठन के विभिन्न स्तरों पर काम करने वाले अधिकारियों और कर्मियों की भूमिका को रेखांकित करता है।

आज अपराध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। संगठित आपराधिक गिरोह, साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, मानव तस्करी और अंतरराज्यीय आपराधिक नेटवर्क पुलिस के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर रहे हैं। डिजिटल तकनीक ने अपराध के तौर-तरीकों को जटिल बनाया है। ऐसे समय में पुलिस की दक्षता का मूल्यांकन केवल अपराधियों की गिरफ्तारी की संख्या से नहीं किया जा सकता। इसके लिए खुफिया सूचनाओं की विश्वसनीयता, साक्ष्यों का वैज्ञानिक संकलन, अनुसंधान की गुणवत्ता और अदालत में आरोपों को प्रमाणित करने की क्षमता भी जरूरी है।

आईपीएस अधिकारी आशीष भारती को रोहतास जिले में वर्ष 2022 में दर्ज अपहरण और फिरौती के एक मामले के सफल अनुसंधान के लिए सम्मानित किया गया है। उस समय वे रोहतास के पुलिस अधीक्षक थे। इस मामले में अपहृत व्यक्ति को 72 घंटे के भीतर बिना फिरौती दिए सुरक्षित मुक्त करा लिया गया था। आगे की जांच में अंतरजिला और अंतरराज्यीय आपराधिक नेटवर्क की संलिप्तता सामने आई। इस मामले में दस आरोपित गिरफ्तार किए गए और वर्ष 2025 में उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

यह घटना पुलिस अनुसंधान के दो महत्वपूर्ण पक्षों को सामने लाती है। पहला, संकट की स्थिति में त्वरित कार्रवाई करके किसी नागरिक का जीवन बचाना और दूसरा, अपराध के पीछे सक्रिय पूरे नेटवर्क को उजागर कर न्यायिक प्रक्रिया तक पहुंचाना। किसी अपहृत व्यक्ति की सुरक्षित वापसी पुलिस की बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन उसके बाद साक्ष्यों को इस तरह प्रस्तुत करना भी जरूरी है कि अपराधियों को कानून के अनुसार सजा मिल सके। गिरफ्तारी अपने आप में न्याय नहीं है। न्याय तब पूरा होता है, जब निष्पक्ष और प्रमाण आधारित अनुसंधान अदालत की कसौटी पर खरा उतरता है। आशीष भारती वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में पुलिस उपमहानिरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उनके इस सम्मान से यह भी स्पष्ट होता है कि किसी गंभीर आपराधिक मामले में सफलता के लिए पुलिस नेतृत्व, अनुसंधानकर्ताओं, मैदानी कर्मियों और अभियोजन पक्ष के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। आईपीएस अधिकारी स्वीटी सहरावत को पटना के पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र के नेहरू नगर में अक्टूबर 2024 में एक बुजुर्ग दंपती की दोहरी हत्या के मामले के सफल अनुसंधान के लिए सम्मानित किया गया है। उस समय वे पटना सेंट्रल की नगर पुलिस अधीक्षक थीं। अनुसंधान के दौरान आरोपित की पहचान और गिरफ्तारी हुई तथा न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से मामले का सफल निष्पादन हुआ। इसी मामले में अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार पांडेय को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह मामला बताता है कि गंभीर अपराधों के अनुसंधान में नेतृत्व के साथ सामूहिक प्रयास कितना महत्वपूर्ण है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने, परिस्थितिजन्य तथ्यों का विश्लेषण करने, संदिग्धों की पहचान करने और जांच की प्रत्येक कड़ी को जोड़ने में पूरी टीम की भूमिका होती है। पुलिस की उपलब्धियों का श्रेय केवल किसी एक अधिकारी को नहीं दिया जा सकता। थाने में तैनात कर्मियों से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक प्रत्येक स्तर पर पेशेवर जिम्मेदारी का निर्वहन आवश्यक है। पुलिस उपाधीक्षक संतोष कुमार राय, निरीक्षक राजकिशोर कुमार, धनंजय कुमार निर्दोष और अवर निरीक्षक पंचम कुमार का सम्मान भी इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। पुलिस व्यवस्था की वास्तविक कार्यक्षमता थानों, चौकियों और अनुसंधान इकाइयों में काम करने वाले कर्मियों पर निर्भर करती है। वरिष्ठ अधिकारी दिशा और नेतृत्व देते हैं, लेकिन कानून-व्यवस्था बनाए रखने, पीड़ितों की शिकायत सुनने, साक्ष्य जुटाने और अपराध की रोकथाम का वास्तविक काम बड़ी संख्या में मैदानी कर्मी करते हैं।

प्रदेश के ...

रवि यादव

दुधवा टाइगर रिजर्व में वन्यजीवों एवं पर्यटकों के संरक्षण से पर्यटन और स्थानीय आजीविका को मिलेगा बढ़ावा

उत्तर प्रदेश के जनपद लखीमपुर खीरी में स्थित दुधवा टाइगर रिजर्व में आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र है। प्रदेश सरकार ने दुधवा टाइगर रिजर्व में सफारी और प्रवेश शुल्क में किसी भी प्रकार की बढ़ोतरी नहीं की है। वन्यजीव संरक्षण, पर्यटन सुविधाओं के विस्तार, स्थानीय समुदायों को रोजगार से जोड़ने और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर सरकार ने बल दिया है।

दुधवा टाइगर रिजर्व उत्तर प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर और जैव विविधता का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां बाघ, गैंडा सहित अनेक वन्यजीवों की मौजूदगी इसे देश के प्रमुख वन्यजीव पर्यटन स्थलों में शामिल करती है। ऐसे में संरक्षण और पर्यटन के बीच संतुलन बनाए रखना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में दुधवा बाघ संरक्षण फाउंडेशन ने देश और प्रदेश के प्रकृति प्रेमियों और दुधवा आने वाले पर्यटकों को राहत देते हुए स्पष्ट किया है कि इस वर्ष टाइगर रिजर्व में सफारी और प्रवेश शुल्क में वृद्धि नहीं की जाएगी। शुल्क को यथावत रखने के निर्णय से दुधवा आने वाले पर्यटकों के लिए पर्यटन का खर्च नियंत्रित रहेगा और अधिक से अधिक लोग प्राकृतिक सौंदर्य तथा वन्यजीवों को करीब से देखने का अवसर प्राप्त कर सकेंगे। दुधवा में पर्यटन गतिविधियों में लगातार वृद्धि हो रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में पर्यटन से प्राप्त राजस्व 2.15 करोड़ रुपये था, जो 49 प्रतिशत की वृद्धि के साथ वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 3.20 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि दुधवा में पर्यटकों की बढ़ती रुचि और क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों के विस्तार का संकेत है। पर्यटन से होने वाली आय वन्यजीव संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से स्थानीय स्तर पर होटल, होम-स्टे, परिवहन, गाइड, हस्तशिल्प और अन्य सेवाओं से जुड़े लोगों को रोजगार के अवसर मिलते हैं। पर्यटन सुविधाओं को आधुनिक, सुविधाजनक और पारदर्शी बनाने की दिशा में भी सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रदेश के सभी प्रमुख वन्यजीव क्षेत्रों के लिए सफारी और आवास की ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एक एकीकृत पोर्टल विकसित किया जा रहा है। इस व्यवस्था में टाइगर रिजर्व, वन्यजीव अभयारण्य और प्राणि उद्यान यानी चिड़ियाघर भी शामिल होंगे। एकीकृत पोर्टल तैयार होने के बाद पर्यटकों को अलग-अलग स्थानों के लिए अलग-अलग व्यवस्थाओं पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा से प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित हो जायेगी। यह व्यवस्था पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के साथ ही वन्यजीव क्षेत्रों में पर्यटकों की संख्या और गतिविधियों को व्यवस्थित तरीके से नियंत्रित करने में भी सहायक होगी। इससे संवेदनशील वन क्षेत्रों पर अनावश्यक दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। वन्यजीव क्षेत्रों के मुख्य हिस्सों पर पर्यटन का दबाव कम करने और स्थानीय लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए 'बफर में सफर' योजना भी शुरू की जा रही है। योजना के तहत बफर क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों के संचालन के लिए पंजीकृत वाहनों को विशेष वित्तीय प्रोत्साहन दिया जाएगा।

जरा हटके

रामपुर की ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

रामपुर में सांस्कृतिक सद्भावना केन्द्र से विकास और विरासत को मिला नया आयाम

जनपद रामपुर के पनवड़िया में 92 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित बहुउद्देशीय 'सांस्कृतिक सद्भावना केन्द्र' आधुनिक अवस्थापना विकास, स्थानीय विरासत और नागरिक सुविधाओं के समन्वय का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है। केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित यह महत्वाकांक्षी परियोजना न केवल जनपद के ढांचागत विकास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, बल्कि यह जिले की कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और सामाजिक गतिविधियों को एक सशक्त संस्थागत मंच भी प्रदान कर रही है।

जनपद में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय शासकीय सम्मेलनों, वृहद सांस्कृतिक आयोजनों, कला प्रदर्शनियों और सामाजिक आयोजनों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त किसी बड़े बहुउद्देशीय परिसर की आवश्यकता लंबे समय से अनुभव की जा रही थी। इस दीर्घकालिक आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए इस वृहद परिसर की संकल्पना की गई, ताकि प्रशासनिक, अकादमिक, व्यापारिक और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विविध आयोजनों को एक ही स्थान पर गुणवत्तापूर्ण और सुगम वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

पनवड़िया स्थित यह भव्य परिसर आधुनिक वास्तुकला और समग्र योजनाबद्धता का प्रतिमान है। परियोजना के अंतर्गत 674 दर्शकों की क्षमता वाला अत्याधुनिक वातानुकूलित ऑडिटोरियम, एक सुसज्जित आर्ट गैलरी, तीन विशाल बैंक्वेट हॉल तथा 40 कमरों का एक सर्वसुविधायुक्त गेस्ट हाउस निर्मित किया गया है। इसके अतिरिक्त वाणिज्यिक एवं प्रदर्शनियों से जुड़ी गतिविधियों को गति देने के लिए परिसर में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स (ए एवं बी ब्लॉक) का भी सुनियोजित विकास किया गया है। परिसर की कार्यप्रणाली को निर्बाध और आत्मनिर्भर बनाए रखने के लिए तकनीकी आधारभूत ढांचे पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके तहत उच्च क्षमता का समर्पित विद्युत सब-स्टेशन, आधुनिक पम्प हाउस, भूमिगत जल संचयन टैंक (यूजी टैंक) तथा मजबूत चारदीवारी का निर्माण कराया गया है। वृहद आयोजनों के दौरान सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए परिसर में व्यापक वाहन पार्किंग क्षेत्र और हरित आच्छादन से युक्त विशाल लॉन विकसित किए गए हैं, जो पर्यावरण संतुलन के साथ-साथ अत्यंत सुरुचिपूर्ण वातावरण भी प्रस्तुत करते हैं।

रामपुर की ऐतिहासिक पहचान यहां के परम्परागत हस्तशिल्प, जरी-जरदोजी, पैचवर्क और समृद्ध संगीत व सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ी रही है। सांस्कृतिक सद्भावना केन्द्र स्थानीय कारीगरों, दस्तकारों और युवाओं के हुनर को व्यापक मंच व बाजार उपलब्ध कराने में उत्प्रेरक की भूमिका निभाएगा। परिसर में प्रस्तावित हाट, शिल्प मेलों और प्रदर्शनियों के माध्यम से स्थानीय उत्पादकों को बिचौलियों के बिना सीधे खरीदारों से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा, जिससे जनपद की स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी।

बौद्धिक एवं सांस्कृतिक विमर्श के सम्वर्द्धन की दृष्टि से निर्मित 674 सीट क्षमता वाला ऑडिटोरियम जनपद के शैक्षणिक संस्थानों, युवा कलाकारों और सांस्कृतिक संस्थाओं के लिए एक मूल्यवान मंच सिद्ध होगा। इस आधुनिक सभागार के माध्यम से स्थानीय विद्यार्थियों और उभरती प्रतिभाओं को अपनी क्षमताएं प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट अवसर मिलेगा। साथ ही, कला प्रेमियों और शिल्पकारों के लिए आर्ट गैलरी स्थायी प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं और रचनात्मक सम्वाद का प्रमुख केंद्र बनेगी।

वर्तमान में इस संपूर्ण परिसर का प्रभावी संचालन एवं परिसंपत्ति प्रबंधन जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में रामपुर विकास प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है। परिसर का उपयोग उच्चस्तरीय शासकीय बैठकों, विभागीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों, जनसंवाद सम्मेलनों और विकास योजनाओं से जुड़ी प्रदर्शनियों के लिए प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। इसके साथ ही, पारदर्शी नियमों एवं निर्धारित प्रक्रियाओं के अधीन गैर-शासकीय, व्यावसायिक एवं सामाजिक आयोजनों के लिए भी परिसर के विभिन्न कक्षों, हॉलों व लॉन के आवंटन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

केंद्र एवं प्रदेश सरकार की सर्वसमावेशी विकास नीति के अनुरूप यह केंद्र सामाजिक समरसता का संवाहक भी बनेगा। तीन बड़े बैंक्वेट हॉल और खुले प्रांगण की उपलब्धता के चलते यह आम नागरिकों के मांगलिक एवं सामाजिक समारोहों के लिए एक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और गरिमापूर्ण विकल्प उपलब्ध कराता है। एक ही परिसर में आवास, खानपान, सभागार और सुरक्षित पार्किंग की एकीकृत उपलब्धता से आयोजकों एवं आगंतुकों दोनों को अभूतपूर्व सुविधा प्राप्त हो रही है।

जिला प्रशासन द्वारा इस ऐतिहासिक सार्वजनिक परिसंपत्ति की निरंतर उपयोगिता और उच्चस्तरीय रखरखाव पर विशेष बल दिया जा रहा है। प्रशासन की प्राथमिकता है कि इस भव्य केंद्र को केवल एक भौतिक संरचना तक सीमित न रखकर इसे निरन्तर जनहितकारी और सृजनात्मक गतिविधियों का केंद्र बनाया जाए। इसके लिए जनपद के समस्त विभागों, शैक्षणिक संस्थाओं और नागरिक समाज से आह्वान किया गया है कि वे अपने शासकीय एवं रचनात्मक कार्यक्रमों के लिए इस आधुनिक केंद्र का अधिकाधिक और विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करें। 92 करोड़ रुपये की यह विशाल परियोजना रामपुर जनपद की विकास यात्रा में एक युगांतरकारी अध्याय जोड़ती है। यह परिसर आधुनिक अवस्थापना सुविधाओं का उपयोग स्थानीय संस्कृति और विरासत को जीवन्त बनाए रखने के लिए किया जा सकता है। विकास, कला, हुनर और जनसहभागिता को एक सूत्र में पिरोने वाला यह सांस्कृतिक सद्भावना केन्द्र आने वाले समय में रामपुर को एक नई पहचान दिलाने के साथ-साथ भावी पीढ़ियों के लिए एक सशक्त सामाजिक व सांस्कृतिक धरोहर साबित होगा।

भरा पचपेड़ा में 951 एकड़ से अधिक भूमि पर विकसित हो रहा औद्योगिक क्षेत्र, इंसुलिन और मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज के निर्माण को बढ़ावा

योगी सरकार पीलीभीत में 200 एकड़ में बनाएगी बायो-फार्मा पार्क

बढ़ावा

तमसा संकेत, संवाददाता

नेपाल सीमा से निकटता और बेहतर रेल कनेक्टिविटी से निवेशकों को मिलेगा फायदा

फार्मा फॉर्मूलेशन से बायो मैन्युफैक्चरिंग तक निवेश और अनुसंधान को मिलेगा बढ़ावा

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश को फार्मास्युटिकल और बायोटेक्नोलॉजी मैन्युफैक्चरिंग का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। इसी के तहत योगी सरकार ने प्रदेश के तराई क्षेत्र पीलीभीत को बायो-फार्मा उद्योग के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम आगे बढ़ाया है। सीएम योगी की मंशा के अनुरुप उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) की ओर से पीलीभीत की तहसील अमरिया के भरा पचपेड़ा में 951.79 एकड़ क्षेत्र में आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। इसमें 200 एकड़ भूमि बायो-फार्मा पार्क के लिए चिह्नित की गई है। पार्क में वैक्सीन, इंसुलिन, जीन थेरेपी और मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज जैसी आधुनिक जैविक औषधियों के निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके माध्यम से प्रदेश में बायोटेक्नोलॉजी आधारित विनिर्माण, अनुसंधान और नवाचार के लिए एक नया औद्योगिक इकोसिस्टम तैयार करने की योजना है। काउंसिल के डायरेक्टर डॉ. जीएन सिंह ने बताया कि पीलीभीत में बायो-फार्मा पार्क को फार्मा फॉर्मूलेशन और बायोटेक्नोलॉजी आधारित उत्पादन की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जाएगा। यहां वैक्सीन, इंसुलिन, जीन थेरेपी और मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज के निर्माण से जुड़ी इकाइयों को प्रोत्साहित किया जाएगा। ये सभी उत्पाद आधुनिक चिकित्सा और गंभीर बीमारियों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में पार्क के विकसित होने से प्रदेश में उच्च तकनीक आधारित औषधि निर्माण की संभावनाएं बढ़ेंगी। उन्होंने बताया कि पीलीभीत का तापमान और यहां की जलवायु बायो-फॉर्मूलेशन से जुड़ी गतिविधियों के लिए अनुकूल मानी जा रही है। जैविक औषधियों के निर्माण और उनके भंडारण में तापमान का विशेष महत्व होता है।

फार्मा फॉर्मूलेशन और बायो मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगा बढ़ावा

काउंसिल के डायरेक्टर डॉ. जीएन सिंह ने बताया कि पीलीभीत में बायो-फार्मा पार्क को फार्मा फॉर्मूलेशन और बायोटेक्नोलॉजी आधारित उत्पादन की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जाएगा। यहां वैक्सीन, इंसुलिन, जीन थेरेपी और मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज के निर्माण से जुड़ी इकाइयों को प्रोत्साहित किया जाएगा। ये सभी उत्पाद आधुनिक चिकित्सा और गंभीर बीमारियों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

951.79 एकड़ में विकसित किया जा रहा औद्योगिक क्षेत्र

उत्तर प्रदेश प्रमोट फार्मा काउंसिल के डायरेक्टर एवं विशेष विशेषज्ञ डॉ. जीएन सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जोर प्रदेश में औद्योगिक विकास को केवल बड़े शहरों तक सीमित रखने के बजाय क्षेत्रीय स्तर पर भी निवेश और रोजगार के नए अवसर विकसित करने पर है। इसी सोच के अनुरूप पीलीभीत जैसे तराई क्षेत्र में बड़े औद्योगिक प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाया जा रहा है। योगी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश में दवा और जैव प्रौद्योगिकी से जुड़े उत्पादों का निर्माण हो, जिससे निवेश के साथ-साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा हों। बायो-फार्मा पार्क इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि भरा पचपेड़ा में औद्योगिक क्षेत्र को कुल 951.79 एकड़ में विकसित किया जा रहा है। इसमें 575.79 एकड़ औद्योगिक भूखंड, 60.98 एकड़ कॉमन फैसिलिटी, 109.23 एकड़ ग्रीन एरिया और 96.20 एकड़ सड़क नेटवर्क के लिए निर्धारित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त आबादी क्षेत्र और अन्य श्रेणियों के लिए भी भूमि का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक क्षेत्र में फिलहाल 14 भूखंड आवंटन के लिए उपलब्ध हैं। वहीं 200 एकड़ में बायो फार्मा पार्क विकसित किया जा रहा।

68,500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने मंत्री आवास घेरा

एक घंटे तक घंटी बजाई, लेटकर प्रदर्शन किया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में मंगलवार को 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने लगभग एक घंटे तक मंत्री आशीष पटेल के आवास के बाहर प्रदर्शन किया उनके दरवाजे पर घंटी बजाते रहे। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी आवास के बाहर लेट गए एक घंटे के हंगामा और नारेबाजी के बाद मंत्री बाहर आए और ज्ञापन लिया।

प्रदर्शनकारियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है-आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है-आरक्षण घोटाला है जैसे नारे लगाए। ज्ञापन के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। वहीं देर शाम फिर से अभ्यर्थियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के आवास का घेराव कर नारेबाजी की।

प्रदर्शन करने आए नवीन ने बताया कि 10 सितंबर को हम सभी लोगों की मुलाकात बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंग और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के साथ हुई। इस दौरान बेसिक और माध्यमिक विभाग के तमाम आलाधिकारी भी मौजूद रहे।

बैठक में दोनों मंत्रियों के साथ अधिकारियों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि घोटाला हुआ है। जब राज्य पिछड़ा आयोग ने मान लिया राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग ने मान लिया और अब सरकार में बैठे अधिकारी मंत्री भी स्वीकार कर रहे हैं कि घोटाला हुआ है तो रोजगार क्यों नहीं मिलता।

फास्ट न्यूज

एम्बुलेंस कर्मचारियों को मिला सम्मान

लखनऊ। लखनऊ में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की 108 और 102 एम्बुलेंस सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सेवा प्रदाता संस्था ईएमआर-आई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज की ओर से आयोजित समारोह में निदेशक कृष्णम राजू और प्रेसिडेंट टीवीएसके रेड्डी ने कर्मचारियों को स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र और चेक देकर सम्मानित किया।

केजीएमयू के आधा दर्जन डॉक्टरों का एरा यूनिवर्सिटी में निवेश

लखनऊ । KGMU के धर्मांतरण और लव जिहाद मामले की जांच में अब डॉक्टरों के आर्थिक संबंध भी चर्चा में हैं। एरा मेडिकल यूनिवर्सिटी में KGMU के करीब आधा दर्जन डॉक्टरों के निवेश का दावा किया जा रहा है। इनमें कई डॉक्टर मुस्लिम समुदाय से हैं। STF की जांच रिपोर्ट में एरा यूनिवर्सिटी में KGMU के मुस्लिम डॉक्टरों के निवेश का उल्लेख किया गया है। KGMU के बायोकेमिस्ट्री विभाग के पूर्व प्रमुख डॉ.अब्बास अली मेहंदी ने यहां से छुट्टी लेकर एरा मेडिकल कॉलेज में जिम्मेदारी संभाली थी।

छेड़छाड़ से परेशान छात्रा ने दी-जान

मॉल (मलिहाबाद), लखनऊ। लखनऊ में छेड़छाड़ और धमकियों से परेशान 15 साल की छात्रा ने सोमवार को घर में फांसी लगाकर जान दे दी। पिता का आरोप है कि आरोपी के खिलाफ कार्रवाई के लिए वह 13 अक्टूबर से थाने और चौकी के चक्कर लगा रहे थे, लेकिन पुलिस ने सुनवाई नहीं की। छात्रा की मौत के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है।

केजीएमयू में बच्ची की मौत पर साढ़े 4 घंटे बवाल

वेंटिलेटर से वार्ड में शिफ्ट करने पर उठाए सवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। KGMU के पीडियाट्रिक विभाग में छह साल की बच्ची की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। गुस्साए परिजनों ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। रोते-बिलखते परिजन कह रहे थे कि उनकी बच्ची पहले ठीक से बोलती थी, बैठती और उठती थी। करीब डेढ़ महीने से उसका इलाज चल रहा था। परिजनों का आरोप था कि बच्ची को वेंटिलेटर से हटाकर वार्ड में शिफ्ट किया गया और इसके बाद उसकी मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में परिजन डॉक्टरों पर बच्ची की जान लेने का आरोप लगाते हुए अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। बच्ची की मौत के बाद करीब साढ़े चार घंटे तक विभाग में हंगामा होता रहा। इस दौरान दूसरे मरीजों का इलाज भी प्रभावित हुआ। घटना सोमवार सुबह की है।

जानकारी के मुताबिक, बाराबंकी निवासी आरोही को 27 सितंबर को KGMU में भर्ती कराया गया था। उसे GBS (गुइलेन-बैरे सिंड्रोम) था। डॉक्टरों के मुताबिक, इलाज के दौरान उसकी हालत में सुधार हो रहा था। 21 अक्टूबर से धीरे-धीरे वेंटिलेटर हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई और 23 अक्टूबर से वह पूरी तरह वेंटिलेटर से बाहर थी। मौत से एक दिन पहले उसे PICU से सेमी प्राइवेट वार्ड में शिफ्ट किया गया था।

परंपरा संग आधुनिक तकनीक का संगम

जेन-जी को लुभाएगा रामायण का 3डी और लेजर शो, 100 कलाकारों से जीवंत होगी श्री राम के अयोध्या लौटने की गाथा

- 28 मिनट में जीवंत होगी श्रीराम के अयोध्या वापसी की गाथा
- जेन-जी से जुड़ेगा दीपोत्सव-2026, तकनीक संग दिखेगी रामनगरी की विरासत - जयवीर सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अयोध्या में दीपोत्सव-2026 इस बार जेन-जी के रंग में रंगा नजर आएगा। परंपरागत दीयों की रोशनी के साथ आधुनिक तकनीक का संगम सरयू घाटों पर ऐसा दृश्य रचा जाएगा, जो युवाओं को विशेष रूप से आकर्षित करेगा। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से दीपोत्सव के दौरान मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन और लेजर शो के साथ 100 से अधिक कलाकारों का लाइव परफॉर्मेंस होगा। राम की पैड़ी पर 07 नवंबर को होने वाले भव्य आयोजन में दीपों की आभा को कृत्रिम रोशनी, तकनीक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ जोड़कर आगंतुकों के लिए विशेष अनुभव प्रस्तुत करेगा।

जेन-जी को लुभाएगा नया अंदाज

दीपोत्सव में मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन और लेजर शो पिछले वर्षों में भी आकर्षण का केंद्र रहे हैं। इस बार पर्यटन विभाग ने जेन-जी की रुचियों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुति में नयेपन पर जोर दिया है। इसके तहत पिछले आयोजनों के विजुअल, संगीत, स्टोरीबोर्ड और एनिमेशन को दोहराने के बजाय नए कंटेंट के जरिए युवा सैलानियों को भगवान श्रीराम की आस्था और अयोध्या की विरासत से जोड़ने की तैयारी है।

09 नवंबर तक होंगे भव्य आयोजन

दीपोत्सव-2026 के दौरान रामनगरी में पांच से नौ नवंबर तक मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन और लेजर शो आकर्षण का केंद्र रहेंगे। पांच नवंबर को दो ट्रायल शो के साथ इसकी शुरुआत होगी, जबकि छह नवंबर को फुल ड्रेस रिहर्सल होगी। सात नवंबर को दीपोत्सव की संध्या पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। इसके अलावा आमजन के लिए तीन अतिरिक्त शो भी आयोजित होंगे। वहीं, आठ नवंबर को दीपावली के दिन चार शो होंगे, हालांकि इनमें नृत्य कार्यक्रम शामिल नहीं होगा। अयोध्यावासियों को ध्यान में रखकर नौ नवंबर को विशेष ड्रोन शो का आयोजन होगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि दीपोत्सव में परंपरागत दीयों की रोशनी से जगमगाने वाली रामनगरी तकनीक और कला के अद्भुत संगम की भी साक्षी बनेगी। इस दौरान विशेष प्रस्तुतियां विशेषकर जेन-जी को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है। प्रभु श्रीराम के अयोध्या लौटने की कथा को प्रोजेक्शन मैपिंग, लेजर, एरियल एक्ट और कलाकारों की प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत होगा।

- युवा सैलानियों को आकर्षित करेगा दीपोत्सव-2026 का बदला अंदाज, मोबाइल पर दिखेंगे रामायण के 3डी दृश्य
- राम की पैड़ी होगा मुख्य आकर्षण, फ्लोटिंग मंच पर कलाकारों की प्रस्तुति आगंतुकों को करेगी रोमांचित

दीपावली पर बोनस और इंक्रीमेंट की उम्मीद : करुणा शंकर मिश्रा

संविदा स्वास्थ्यकर्मियों के हित में सरकार के कदम सराहनीय

तमसा संकेत, संवाददाता

करुणा शंकर मिश्रा ने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार दीपावली के अवसर पर संविदा स्वास्थ्यकर्मियों को बोनस और इंक्रीमेंट की सौगात देने के साथ ही कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा पर भी सकारात्मक निर्णय लेगी।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश क्षय रोग वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष करुणा शंकर मिश्रा ने प्रदेश सरकार एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि संविदा स्वास्थ्यकर्मियों के हित में उठाए गए कदम कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि संविदा स्वास्थ्यकर्मियों के लिए 30 लाख रुपये का बीमा उपलब्ध कराना सरकार का अत्यंत सराहनीय और ऐतिहासिक कदम है। किसी कर्मचारी के असामयिक निधन पर उसके परिवार को 30 लाख रुपये की आर्थिक सुरक्षा मिलना अपने आप में एक बड़ी पहल है। इसके लिए प्रदेश सरकार बधाई की पात्र है। मिश्रा ने कहा कि पूर्व में संविदा कर्मचारियों को संविदा समाप्ति की आशंकाओं और विभिन्न प्रकार के दबावों का सामना करना पड़ता था, लेकिन मिशन निदेशक के स्तर से किए गए प्रभावी हस्तक्षेप और सकारात्मक पहल से कर्मचारियों को काफी राहत मिली है। कर्मचारियों के हितों को लेकर सरकार और मिशन निदेशालय का सकारात्मक रुख स्वागतयोग्य है। उन्होंने आगे कहा कि अब कर्मचारियों को सरकार से एक और बड़ी उम्मीद है।

प्रदेश के संविदा स्वास्थ्यकर्मियों को बोनस एवं वेतन में इंक्रीमेंट दिए जाने की मांग

इसके साथ ही उन्होंने दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेश के संविदा स्वास्थ्यकर्मियों को बोनस एवं वेतन में इंक्रीमेंट दिए जाने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि राज्य कर्मचारियों की तरह संविदा स्वास्थ्यकर्मियों के हितों और उनकी आर्थिक आवश्यकताओं को भी सरकार गंभीरता से संज्ञान में लेगी, ऐसी उन्हें पूरी उम्मीद है। अंत में उन्होंने प्रदेश सरकार, मिशन निदेशक एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रदेशभर के समस्त संविदा स्वास्थ्यकर्मियों एवं उनके परिवारों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

एल्डिको सिटी के बेसमेंट में मिट्टी ढही, मजदूर की मौत

लखनऊ में शटरिंग खोलते समय मलबे में दबे

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज । लखनऊ में मंगलवार को एल्डिको सिटी के बेसमेंट में मिट्टी ढहने से एक मजदूर की मौत हो गई। वह उस समय शटरिंग खोल रहे थे, तभी अचानक भरभराकर मिट्टी ढहने से मलबे में दब गए। साथ काम कर रहे मजदूरों ने अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना मोहनलालगंज-गोसाईगंज मार्ग पर निर्माणाधीन एल्डिको सिटी की है।

राजेश कुमार (40) सीतापुर के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार को राजेश कुमार बेसमेंट में शटरिंग खोलने का काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक बेसमेंट की मिट्टी ढह गई और वह मलबे में दब गए। साथी मजदूरों ने आनन-फानन मलबा हटाकर उसे बाहर निकाला और निजी अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे सिविल अस्पताल रेफर कर दिया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। साथी मजदूरों का आरोप है कि श्रमिक बिना सुरक्षा उपकरणों के काम कर रहे थे और निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हादसे के बाद ठेकेदार मौके से फरार हो गया। राजेश की मौत के बाद साथी मजदूरों ने नाराजगी जताई। उन्होंने सवाल उठाया कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन क्यों नहीं कराया जा रहा था।

आयोजन : ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए उत्तर प्रदेश में बनेगी समयबद्ध ऋण कार्ययोजना

वित्त विभाग व नाबार्ड के सहयोग से सम्मेलन आयोजित

- 'विकसित उत्तर प्रदेश 2047' के विजन के अनुरूप प्रदेश के सभी 75 जिलों में ऋण प्रवाह बढ़ाने और ग्रामीण उद्यमिता को गति देने पर मंथन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और ग्रामीण उद्यमिता को नई गति देने के उद्देश्य से विधान भवन स्थित पारिजात सभागार में वित्त विभाग द्वारा नाबार्ड के सहयोग से 'राज्य ग्रामीण विकास सम्मेलन-2026' का आयोजन किया गया।

सम्मेलन में निर्णय लिया गया कि आगामी एक से दो वर्षों के भीतर जिला स्तरीय ऋण योजनाओं को धरातल पर प्रभावी कार्ययोजना में परिवर्तित किया जाएगा। इसके अंतर्गत जनपद एवं विकासखंड स्तर पर स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे और बैंकिंग संस्थाओं की जवाबदेही तय की जाएगी। पूरी व्यवस्था को पारदर्शी व परिणामपरक बनाए रखने के लिए ब्लॉक स्तरीय बैंकर्स समिति (बीएलबीसी) तथा जिला परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) के माध्यम से नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाएगी। सम्मेलन में उभरे प्रमुख निष्कर्षों एवं संस्तुतियों को नाबार्ड के आगामी 'राज्य फोकस पेपर 2027-28' के निर्माण में भी प्रमुखता से समाहित किया जाएगा।

कृषि, बागवानी एवं ग्रामीण अवसंरचना के विकास हेतु मियादी ऋण (टर्म लोन) में वृद्धि तथा कृषि उत्पादों के स्थानीय प्रसंस्करण को प्रोत्साहित करने पर विशेष बल दिया गया। 'एक जिला, एक मूल्य श्रृंखला' की अवधारणा को बढ़ावा देने, डिजिटल माध्यमों से छोटे व पट्टेदार किसानों को सुलभ ऋण उपलब्ध कराने तथा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को बैंक वित्तपोषण से जोड़कर सामूहिक उद्यमिता विकसित करने पर विचार-विमर्श हुआ।

सम्मेलन में 'विकसित उत्तर प्रदेश 2047' के संकल्प के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में संस्थागत ऋण की पहुंच का दायरा बढ़ाने तथा प्रदेश के सभी 75 जनपदों के लिए ठोस, मापनीय एवं समयबद्ध ऋण कार्ययोजना तैयार करने पर विशेष बल दिया गया।

रोजगार सृजन और आय वृद्धि को प्राथमिकता देने पर सहमति

महिला एवं युवा उद्यमिता के क्षेत्र में मात्र ऋण स्वीकृति के स्थान पर उद्यमों की स्थायी स्थापना, सतत संचालन, रोजगार सृजन और आय वृद्धि को प्राथमिकता देने पर सहमति बनी। पशुपालन क्षेत्र में नाबार्ड की डेयरी विकास योजना को राज्य पशुधन मिशन में शामिल किए जाने तथा प्रदेश के लिए तैयार विशिष्ट मत्स्य विकास योजना पर भी चर्चा हुई।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में 'खेत बचाओ अभियान' का शुभारंभ

मृदा स्वास्थ्य की रक्षा और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जन-आंदोलन बनेगा 'खेत बचाओ अभियान' : सूर्य प्रताप शाही

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने आज भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर), तेलीबाग, लखनऊ के प्रांगण में आयोजित 'खेत बचाओ अभियान' के भव्य शुभारंभ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री, भारत सरकार श्री शिवराज सिंह चौहान उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रदेश के अन्नदाताओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए बताया कि केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के किसानों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ 2026 सीजन हेतु मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 86,500 मीट्रिक टन मूंगफली एवं 43,250 मीट्रिक टन तिल की खरीद के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। शाही ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी का उत्तर प्रदेश के समस्त किसानों की ओर से हृदय से आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि यह फैसला प्रदेश के मूंगफली एवं तिल उत्पादक किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित कराएगा तथा उन्हें किसी भी प्रकार की संकटपूर्ण बिक्री से बचाकर आर्थिक रूप से सशक्त व आत्मनिर्भर बनाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने अभियान के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

सिर-चेहरे में कांच घुसे, 20 हजार लीटर पानी भरा था, बहराइच मेले में हादसा

जलपरी शो का टैंक फटा 4 बच्चों समेत 15 घायल

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

बहराइच । बहराइच मेले में जलपरी शो का पानी से भरा टैंक अचानक फट गया। हादसा जिस वक्त हुआ, उस वक्त 40 लोग शो देख रहे थे। टैंक फटने से 20 हजार लीटर पानी झटके से बाहर आया। पानी के प्रेशर से कांच की दीवार टूट गई। शो में अचानक भगदड़ जैसे हालात हो गए। बच्चे पानी के बहाव में कई मीटर तक बह गए। कांच के टुकड़े चेहरे और सिर में धंस गए। 4 बच्चों समेत 15 लोग घायल हो गए।

पुलिस और आसपास के लोग सभी घायलों को नजदीकी सीएचसी ले गए। वहां से 2 बच्चों को रेफर कर दिया गया। उनके सिर-चेहरे में कांच के कई टुकड़े धंसे हैं। हादसे में एक जलपरी भी घायल हुई है। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने कहा- मेला कमेटी अध्यक्ष और जलपरी शो संचालक समेत 4 को पुलिस ने हिरासत में लिया है। 7 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पानी का प्रेशर अधिक होने के कारण टैंक फटा है।

जिला मुख्यालय से 20 किमी दूर फखरपुर के खालिदपुर गांव में हर साल नवंबर में दादा मियां के उर्स में 3 दिवसीय मेला लगता है। इस साल उर्स मेले में पहली बार जलपरी शो लगाया गया।

हादसा कैसे हुआ, प्रत्यक्षदर्शी की आंखों-देखी जानिए

फखरपुर के खालिदपुर गांव निवासी सलीम खान ने बताया कि दादामियां के उर्स में सोमवार से मेला शुरू हुआ था। मैं अपने परिवार के साथ मेला देखने गया था। इसमें जलपरी शो भी लगाया गया था।

50 रुपए का टिकट लेकर परिवार के साथ शो देखने गया। चलते शो में जब जलपरी करतब दिखा रही थी, तभी अचानक टैंक तेज आवाज के साथ फट गया। हादसे के वक्त मौके पर करीब 20-25 लोग मौजूद थे।

खालिदपुर गांव में उर्स मेले में सोमवार रात 9 बजे हादसा हुआ। इसमें अर्श (8), बुरुऊ (7), अहद खान (8) और मोहम्मद सादिक (9) ज्यादा घायल हैं। सभी गांव के रहने वाले हैं।

जलपरी शो में एक लड़की मछली जैसी ड्रेस में पानी के टैंकर में करतब दिखाती है। टैंकर करीब 20 फीट लंबा और 10 फीट चौड़ा होता है। इसमें 20 हजार लीटर पानी भरा था। बाहर की ओर कांच की एक दीवार होती है।

जलपरी शो में कांच के बॉक्स के अंदर लड़कियां करतब दिखाती हैं।

घायल सादिक ने बताया कि उसके सिर में टांके लगे हैं। जलपरी शो का शीशी टूटने से उसे चोट लगी थी।

थाना प्रभारी फखरपुर राजकुमार राजभर ने बताया कि जलपरी शो की परमिशन नहीं ली गई थी। उर्स कमेटी के अध्यक्ष वाजिद खान और जलपरी शो के संचालक शादाब समेत 5 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया। घायलों का सीएचसी फखरपुर में इलाज कराया जा रहा है।

घायल सादिक ने बताया कि उसके सिर में टांके लगे हैं। जलपरी शो का शीशी टूटने से उसे चोट लगी थी।

कानपुर से बिहार-झारखंड तक असलहों की सप्लाई

5 महीने में बेची 153 बंदूकें, सेफ कस्टडी के नाम पर बड़ा खेल

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के असलहा विक्रेता सेफ कस्टडी के नाम पर अवैध बिक्री का खेल खेल रहे हैं। इसी नियम के चलते शस्त्र विक्रेता बड़ी संख्या में असलहा और कारतूस अपराधियों को बेच देते हैं।

सोमवार को कानपुर पुलिस ने हैरिस गन हाउस की जांच की तो इस खेल का खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि गन हाउस संचालक ने 5 माह में 153 नई, पुरानी बंदूके और 20, 357 कारतूस खरीदे। अब पुलिस के लिए एक-एक असलहे और कारतूस का मिलान करना चुनौती बन गया है। बता दें जौनपुर में पकड़े गए गैंग के पास देशी और विदेशी असलहों के साथ भारी मात्रा में कारतूस मिले थे। गैंग ने कानपुर से बंदूक और कारतूस खरीदा था। जिसके चलते जौनपुर पुलिस शनिवार की सुबह मूलगंज के असलहा विक्रेता को साथ ले गई थी। कमिश्नरेट पुलिस के अफसरों के मुताबिक एक अभियान के दौरान जौनपुर पुलिस को बदलापुर स्थित कुरांवां नहर पुलिया के पास अवैध असलहों की खरीद-फरोख्त की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया था।

पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से दो 12 बोर बंदूक, 210 कारतूस, एक .22 बोर राइफल, प्रतिबंधित 9 एमएम पिस्टल, एक .45 बोर ग्लॉक पिस्टल, 10 अन्य कारतूस, 7.58 लाख रुपये नकद और 11 मोबाइल फोन बरामद किए थे। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि बंदूक और कारतूस मूलगंज के हैरिस गन हाउस से खरीदा था।

फास्ट न्यूज

कानपुर में शादी का भरोसा देकर रिलेशन बनाया

चकेरी, कानपुर। कानपुर में फेसबुक पर हुई दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदली और फिर शादी के सपने दिखाकर युवती के शोषण का आरोप लगा है। तीन साल तक चले इस रिश्ते में उस वक्त दरार आ गई, जब युवक को युवती की उम्र की जानकारी हुई।

इसके बाद उसने युवती से दूरी बनाने और रिश्ता खत्म करने का प्रयास किया। खुद को ठगा महसूस कर युवती ने पुलिस से शिकायत कर दी।

कानपुर में लीकेज पाइपलाइन की मरम्मत शुरू

कानपुर। कानपुर के अशोक नगर में सोमवार रात पेयजल की मुख्य पाइपलाइन फट गई। मंगलवार को जल निगम ने मरम्मत का काम शुरू कराया, लेकिन पानी की सप्लाई बंद होने से करीब 5 हजार घरों में संकट बना हुआ है।

फातिमा स्कूल के सामने बैराज से आने वाली जल निगम की 11 नंबर पाइपलाइन फटी है। इससे हजारों लीटर पानी सड़क और नालियों में बह गया। व्यस्त मार्ग पर मरम्मत के चलते दिनभर जाम लगा रहा। सबसे बड़ी बात यह है कि पिछले 10 महीने में इसी जगह पाइपलाइन तीसरी बार फटी है।

मास्क पहनकर आए चोर, 78 मोबाइल चुरा ले गए

कानपुर । गोविंद नगर में चोरों ने मोबाइल दुकान के ताले तोड़कर नकदी और मोबाइल समेत 16 लाख रुपये का माल पार कर दिया। चोर शटर का ताला तोड़कर बेकरी के रास्ते दुकान में दाखिल हुए और करीब 78 कीमती मोबाइल फोन व 50 हजार रुपये कैश ले गए। मंगलवार सुबह घटना की जानकारी होने पर दुकानदार ने पुलिस को सूचना दी।

चचेरे भाई की मौत के मामले में आरोपी हुआ गिरफ्तार

कानपुर में कहासुनी के बाद लाठी-डंडों से पीटा था, हार्ट अटैक से गई जान

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में मंगलवार को चचेरे भाई की मौत के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार को मामूली कहासुनी के बाद दोनों परिवारों के बीच विवाद हुआ था।

आरोप है कि इस दौरान चचेरे भाई पर लाठी-डंडों से हमला किया गया। गंभीर हालत में राकेश कुमार प्रजापति को हैलट अस्पताल ले जाया गया था। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मंगलवार को पुलिस ने आरोपी रवि कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मंगलवार को राकेश का पोस्टमार्टम भी हुआ। रिपोर्ट में शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले।

मारपीट के दौरान हार्ट अटैक आने की वजह से मौत की पुष्टि हुई है। पुलिस ने पत्नी की तहरीर पर गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। शास्त्री नगर के मतैयापुरवा निवासी राकेश कुमार प्रजापति (37) मजदूरी करते थे। परिवार में पत्नी मोनी, बेटियां तमन्ना और चाहत तथा बेटे आर्यन और डुग्गू हैं। उनकी पत्नी घरों में काम करती हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सोमवार दोपहर राकेश शराब के नशे में घर लौटे थे। इस दौरान पड़ोस में रहने वाली शादीशुदा चचेरी बहन सुमन से उनकी किसी बात पर कहासुनी हो गई। आरोप है कि सुमन ने उन्हें थप्पड़ मार दिया। यह देखकर सुमन का भाई रवि अपनी पत्नी अनीता और मां पप्पी के साथ वहां पहुंच गया। आरोप है कि रवि और उसके परिवार के लोगों ने राकेश पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इससे वह सड़क पर गिर पड़े। हमले की जानकारी मिलने पर राकेश की पत्नी मौके पर पहुंचीं। वह गंभीर हालत में पति को लेकर हैलट अस्पताल गईं। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मंगलवार को उर्सला के डॉक्टर आशीष मिश्रा ने शव का पोस्टमार्टम किया।

ऑनलाइन आवेदन और डिजिटल भुगतान से व्यवस्था हुई सरल, बिचौलियों की भूमिका सीमित करने पर जोर

पारदर्शिता और तकनीक से समाज कल्याण योजनाओं को नई रफ्तार

- **पात्रों तक सीधे पहुंच रहा योगी सरकार की योजनाओं का लाभ**
- **वृद्धावस्था पेंशन, छात्रवृत्ति और राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजनाओं में डिजिटल व्यवस्था से बढ़ी पारदर्शिता शिकायतों के त्वरित निस्तारण और लंबित आवेदनों की समीक्षा से जवाबदेही तय कर रहा विभाग**

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज कल्याण योजनाओं को पारदर्शी, सरल और जनहितकारी बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। तकनीक के इस्तेमाल से सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने और सरकारी व्यवस्था को जवाबदेह बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। ऑनलाइन आवेदन, डिजिटल भुगतान और लाभार्थियों के सत्यापन जैसी व्यवस्थाओं ने योजनाओं के क्रियान्वयन को अधिक व्यवस्थित बनाने में मदद की है। प्रदेश में वृद्धावस्था पेंशन, छात्रवृत्ति और राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ समेत समाज कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं के संचालन में डिजिटल माध्यमों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे लाभार्थियों को आवेदन से लेकर भुगतान तक की प्रक्रिया में सुविधा मिल रही है। साथ ही पात्रता के सत्यापन से वास्तविक जरूरतमंदों तक सरकारी सहायता पहुंचाने का रास्ता भी मजबूत हुआ है।

डिजिटल व्यवस्था से बढ़ी पारदर्शिता

सरकार की ओर से योजनाओं की आवेदन और भुगतान प्रक्रिया को ऑनलाइन माध्यम से जोड़ने का उद्देश्य व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। डिजिटल भुगतान से सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाने में सुविधा होती है। वहीं, सत्यापन की प्रक्रिया से पात्रता सुनिश्चित करने और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में मदद मिलती है। इससे सरकारी योजनाओं के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ाने की दिशा में भी काम हो रहा है।

शिकायतों के निस्तारण पर विशेष ध्यान

समाज कल्याण विभाग योजनाओं से जुड़ी शिकायतों के समाधान और लंबित प्रकरणों की समीक्षा पर भी ध्यान दे रहा है। आवेदन, पात्रता और भुगतान में आने वाली समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर है। इससे लाभार्थियों को होने वाली परेशानियों को दूर करने के साथ विभागीय कार्यप्रणाली में जवाबदेही बढ़ाने में मदद मिल रही है।

शाहजहांपुर में तमंचे से जबड़े पर मारी गोली, 3 साल पहले लव मैरिज की थी

पत्नी को मायके से लाया 2 घंटे बाद मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

शाहजहांपुर । शाहजहांपुर में एक युवक ने पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों ने 3 साल पहले पहले लव मैरिज की थी।

हत्या करने से 2 घंटे पहले ही वह पत्नी को मायके से लेकर आया था। घर आते ही दोनों में झगड़ा होने लगा। इसी दौरान पति ने तमंचे से पत्नी पर फायर झोंक दिया। गोली पत्नी के जबड़े पर लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या करने बाद भी युवक घर में ही रुका रहा। वहीं, फायरिंग की आवाज सुनकर परिवारवाले मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंची पुलिस ने पति को गिरफ्तार कर लिया। वारदात जिला मुख्यालय से करीब 25 किमी दूर थाना निगोही क्षेत्र में मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे हुई। त्रिलोकपुरी गांव में रहने वाले शिवम वर्मा (25) ने 3 साल पहले रेश्मा मौर्य (22) से लव मैरिज की थी। रेश्मा का घर शिवम के घर से करीब 5 किमी दूर निगोही के चौड़ेरा गांव में है। शिवम के परिवार मां मुन्नी देवी, पिता शिशुपाल के अलावा भाई विपिन और बहन निशा हैं। शिवम का परिवार खेतीबाड़ी करता है। जबकि, वह खुद धान काटने वाली कंबाइन मशीन का ऑपरेटर था। प्रिया का कहना है कि लव मैरिज करने के बाद भी इन लोगों ने दहेज मांगा था। हम लोगों ने सब कुछ दिया। इसके बावजूद एक बार शिवम मुझे मारने के लिए तमंचा लेकर मेरे घर आ गया था। तब मेरे घरवालों ने मुझे बचा लिया था। लेकिन, उसने मेरी दीदी की जान ले ली। हमारी मांग है कि शिवम का एकाउंटर किया जाए। रेश्मा की मौत के बाद उसके घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल है। मां अर्चना सड़क पर हाथ-पैर पटककर रोने लगी। कहती रहीं- इस दरिंदे ने मेरी बेटी की हत्या कर दी। रेश्मा के दोनों भाई राजू और राजीव भी मां से लिपटकर रोते रहे। वहीं, दिनदहाड़े मर्डर की सूचना पर सीओ सदर शुभम वर्मा पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

रेश्मा की छोटी बहन प्रिया ने बताया- 20 दिन पहले रेश्मा दीदी का जीजा से दहेज को लेकर झगड़ा हुआ था। उसके बाद दीदी मायके आ गई थी।

आज जीजा शिवम घर आया था। उसने दीदी को काफी मनाया। कहने लगा कि घर चलो। इसके बाद रेश्मा ससुराल जाने के लिए राजी हो गई। दोनों सुबह 11:30 बजे बाइक से चले गए थे।

जीजा और ससुराल वाले परेशान करते थे

प्रिया ने बताया कि जीजा की मां, बहन और भाई सब लोग मिलकर दीदी को परेशान करते थे। आज इन लोगों ने दीदी के आते ही मारपीट भी की, जिससे उनका हाथ टूट गया। इसके बाद उसे गोली मार दी। आसपास के लोगों ने मारपीट की सूचना दी, तब हम लोग यहां आए। इस पर इन लोगों ने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। बाद में पुलिस के आने पर दरवाजा खुला, तो अंदर दीदी की लाश मिली।

गुरुग्राम में बाथटब में मिली इंजीनियर की लाश

ऋषिकेश घूमकर लौटे, होटल में लिया था कमरा

तमसा संकेत, एजेंसी

गुरुग्राम । गुरुग्राम के सेक्टर-53 स्थित एक होटल में यूके से भारत लौटे इंजीनियर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। वह हाल ही में भारत आए थे और उत्तराखंड के ऋषिकेश में घूमने के बाद सोमवार को गुरुग्राम पहुंचे।

देर रात होटल के कमरे में बने जकूजी (बाथटब) में वह अचेत अवस्था में मिले। डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है।

मृतक की पहचान प्रांजिल पाठक (35) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के आगरा की ओल्ड ईदगाह कॉलोनी के रहने वाले थे और यूनाइटेड किंगडम (UK) की एक मल्टीनेशनल कंपनी में इंजीनियर थे। वह मैनचेस्टर में रहते थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि प्रांजिल हाल ही में यूके से भारत आए थे। सोमवार को वे उत्तराखंड के ऋषिकेश में छुट्टियां बिताकर लौटे थे। इसके बाद दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर अपने एक दोस्त को छोड़ने गए। दोस्त को फ्लाइट बोर्ड कराने के बाद उन्होंने नाइट स्टे के लिए सेक्टर-53 स्थित ओरसम होटल में कमरा नंबर 302 बुक किया था।

रात 8 होटल स्टाफ को किसी अनहोनी का अंदेशा हुआ तो कमरे की जांच की गई। वहां जकूजी के पानी में प्रांजिल अचेत अवस्था में पड़े मिले। इसके बाद डॉक्टर को बुलाया गया।

पृष्ठ 01 का शेष...

किसानों और...

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर व्यक्ति को सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के साथ जीवन जीने का अवसर मिले। हर नागरिक को यह महसूस होना चाहिए कि वह विकास और खुशहाली की व्यवस्था का हिस्सा है।

मुख्यमंत्री मंगलवार को दीपावली के अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को रसोई गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी वितरित करने के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने लगभग 1,500 करोड़ रुपये की धनराशि से प्रदेश के 1.89 करोड़ से अधिक पात्र परिवारों को दीपावली का उपहार प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस सरकार के कार्यकाल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुई उज्ज्वला योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि 2014 से पहले रसोई गैस का कनेक्शन प्राप्त करना भी बड़ी चुनौती था। लोगों को अनेक परेशानियों से गुजरना पड़ता था और एक कनेक्शन के लिए 25 हजार, 30 हजार से लेकर 50 हजार रुपये तक ब्लैक में देने पड़ते थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 मई 2016 को उत्तर प्रदेश की धरती बलिया से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने गरीब माताओं-बहनों को धुएं से मुक्ति दिलाने और गैस कनेक्शन के नाम पर होने वाली घूसखोरी बंद करने का संकल्प लिया। गरीब परिवारों को निशुल्क कनेक्शन उपलब्ध कराए गए और गैस सब्सिडी सीधे खातों में पहुंचाई जाने लगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यही सुशासन है, जब शासन की योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। पहले जो पैसा घूसखोरी और अनावश्यक खर्चों में चला जाता था, वही अब गरीब परिवारों की बचत बन रहा है। उन्होंने वर्ल्ड बैंक की हालिया रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में 46 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठकर सामान्य और खुशहाल जीवन जीने की स्थिति में पहुंचे हैं।

महिलाओं के लिए...

मुख्यमंत्री ने लखपति दीदी और बीसी सखी योजनाओं की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि आज महिलाएं उद्योगों में नाइट शिफ्ट में भी काम कर रही हैं। प्रदेश में सुरक्षा का वातावरण उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दे रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, रसोइयों, ग्राम चौकीदारों और पीआरडी जवानों का मानदेय बढ़ाया गया है। अन्य वर्गों के मानदेय में वृद्धि की प्रक्रिया भी तेजी से आगे बढ़ाई जा रही है।

नाम ड्रॉफ्ट वोटर लिस्ट...

दिल्ली में ही 1.45 करोड़ में से 47 लाख नाम हट गए।

चुनाव आयोग ने माना कि कई लोगों को डर था कि फॉर्म 6 में लिखना पड़ता है कि मेरा नाम पहली बार वोटर लिस्ट में जोड़ा जा रहा है। ऐसे में पहले से रजिस्टर वोटर को लगता था कि ये झूठा शपथ पत्र होगा और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 31 के तहत उन पर झूठा बयान देने का केस चल सकता है। इसी वजह से लोग फॉर्म 6 भरने से हिचक रहे थे। चुनाव आयोग ने SIR प्रकिया कम्पलीट हो चुके राज्यों के लिए भी फॉर्म-6 में बड़ा बदलाव कर चुका है। अक्टूरबर में हुए इस बदलाव के बाद SIR में नाम कटने के बाद दोबारा नाम जुड़वाने के लिए 2003 की वोटर लिस्ट की जानकारी नहीं देनी होगी। आवेदक को यह बताने की जरूरत नहीं होगी कि उसका, माता-पिता या दादा-दादी का नाम उस लिस्ट में था या नहीं। फॉर्म-6 से इससे जुड़ा अतिरिक्त घोषणा-पत्र हटा दिया गया।

अखिलेश बाबू...

उन्होंने तंज कसते हुए कहा- बंगाल से लेकर राजस्थान तक हर जगह INDI गठबंधन ने हार पाई है। इसलिए अखिलेश बाबू फरवरी में आप भी निपट जाओगे। उधर, बरेली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य हजारों कार्यकर्ताओं के साथ रैली में शामिल हुए। जेपी नड्डा ने कहा- ये हिट एंड रन वाले लोग हैं। पत्थर मारते हैं और फिर भाग जाते हैं। इनके नेता ने अभी रामलीला मैदान में भाषण दिया है। अब विदेश भाग जाएंगे।

जयंत चौधरी ने कहा कि विपक्ष की हालत क्रिकेट में हारे हुए बच्चों की तरह है। जिसे हार के बाद कोई न कोई बहाना चाहिए होता है। कुछ नहीं होता तो अंपायर पर आरोप लगाना होता है।

निषाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में मंत्री संजय निषाद ने कहा कि लोकतंत्र के विरोध में विपक्षी पार्टियां काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की तरफ से मछुआरा आरक्षण देने जाने का मुद्दा जो उठाया गया रैली के दौरान तो वह घर की बात है। घर में मां-बाप के सामने ही बच्चा अपनी बात उठाता है। उनका कहना है कि गोरखपुर में कार्यक्रम के चलते वह पदयात्रा में शामिल होने के बाद यहां से निकल रहे हैं।

प्रदेश की 09 चीनी...

और 24 चीनी मिलों द्वारा गन्ना खरीद हेतु इण्डेंट जारी कर दिया गया है, जिनका दीपावली से पूर्व शुरू होना प्रस्तावित है। अन्य चीनी मिलें अपना पेराई सत्र दीपावली त्योहार के पश्चात शुरू करेगीं।

विभाग ने सभी चीनी मिलों को निर्देशित किया गया है कि तत्काल अपने-अपने आवंटित क्रय केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थायें पूर्ण कराते हुए समय से संचालन सुनिश्चित करे।

विधानसभा चुनाव...

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तंज कसा। कहा, "काशी को क्योटो तो नहीं बना पाए, लेकिन कम से कम क्योटो की तस्वीर ही लगा देते। क्योटो की तस्वीर क्यों नहीं लगाई?"

पीडीए समाज पर मुख्यमंत्री स्वजातीय लोगों के अत्याचार की एक घटना नहीं है। बुलडोजर की कार्रवाई नहीं हो रही है। दालमंडी के लोगों ने भाजपा को दंड दिया है। आरक्षण घोटाला, पेपर लीक, मणिकर्णिका घाट, दालमंडी... ये कोई भूल सकता है क्या?

भाजपा ने मणिकर्णिका घाट से लेकर के पाल समाज पर जो लाठी चलाई वो सबको याद है। यहां की संस्कृति और विरासत को मिटाने की कोशिश की है, एमएलसी चुनाव में उसका जवाब मिला है। भाजपा के लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा पर कहा- असली अराजकता कहां है? मेडिकल में है। आप सोचिए बांदा में एक नवजात बच्चे को कुत्ता नोच ले गया। ये कौन सुन सकता है? और बरेली में अभी देश के मंत्री आए हैं। बरेली से आगे चले जाएं, शाहजहांपुर क्यों नहीं जाते हैं?

मोदी जी देश विरोधी...

2. जनवरी 2019 - राफेल पर 20 मिनट वाली बहस का चैलेंजः लोकसभा में - मुझे PM के साथ 20 मिनट वन टु वन बहस करने दो, US प्रेसिडेंशियल डिबेट की तरह। साथ ही कहा था कि PM में हिम्मत नहीं है।

3. अप्रैल 2019- भ्रष्टाचार परः मेनिफेस्टो लॉन्च के बाद और फिर 7 अप्रैल को - मोदी के एक इंटरव्यू के बाद ट्वीट किया - आप भाग सकते हैं, लेकिन छिप नहीं सकते, मैं आपको भ्रष्टाचार पर बहस की चुनौती देता हूं।

4. 2024 चुनाव से पहले - पूर्व जस्टिसों का चैलेंजः राहुल समेत विपक्ष ने पूर्व जजों (मदन लोकुर, एपी शाह) के जरिए PM को लेटर लिखकर नेशनल सिक्योरिटी, अडानी, इलेक्टोरल बॉन्ड पर डिबेट को कहा था, जिसे PMO ने इग्नोर किया।

एक जगह...

सुनवाई के दौरान दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि प्रदर्शनों के कारण दिल्ली में कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। त्योहारों के सीजन में दुकानें बंद रहीं और बिक्री घट गई।

उन्होंने दावा किया कि कारोबारियों को करीब 2,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अगर त्योहारों के सीजन में बिक्री नहीं होगी तो व्यापारियों और उनसे जुड़े लोगों को भारी नुकसान होगा। उन्होंने कोर्ट से अगले दो महीने तक किसी भी तरह के प्रदर्शन या धरने पर रोक लगाने की मांग की।

वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीटें 34 हजार, आवेदन आए 84 लाख, जोहान्सबर्ग में मुकाबला

भारत-पाकिस्तान मैच के टिकटों की मांग फाइनल से भी ज्यादा

उत्साह

आईसीसी को अब तक टूर्नामेंट के लिए 193 देशों से 12 करोड़ से ज्यादा टिकट आवेदन मिले हैं। साउथ अफ्रीका में होने वाले 41 मैचों के लिए ही 10.5 करोड़ से ज्यादा आवेदन मिले हैं। इनमें मेजबान टीम के मैचों के लिए करीब 2.6 करोड़ आवेदन आए हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी

वनडे वर्ल्ड कप 2027 में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। 10 अक्टूबर के इस मैच के टिकटों के लिए 84 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए हैं। जोहान्सबर्ग के स्टेडियम की दर्शक क्षमता सिर्फ 34 हजार है। यानी उपलब्ध सीटों के मुकाबले करीब 247 गुना ज्यादा आवेदन आए हैं। टिकटों की मांग के मामले में भारत-पाकिस्तान मुकाबला पहले नंबर पर है। ICC के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान मैच के लिए कुल 83,97,294 टिकट आवेदन मिले हैं। 21 नवंबर को इसी स्टेडियम में होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल के लिए 79,00,944 रजिस्ट्रेशन हुए हैं।

वनडे वर्ल्ड कप 24 साल बाद अफ्रीकी धरती पर लौटेगा। साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से इसकी मेजबानी करेंगे। टूर्नामेंट में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और 12 वेन्यू पर कुल 57 मैच खेले जाएंगे। वर्ल्ड कप के लिए 12 वेन्यू में से 8 साउथ अफ्रीका, 3 जिम्बाब्वे और 1 नामीबिया में है। नामीबिया पहली बार मेंस के सीनियर वर्ल्ड कप के मैचों की मेजबानी करेगा। साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे इससे पहले 2003 वर्ल्ड कप की मेजबानी कर चुके हैं। 2011 वनडे वर्ल्ड कपः भारत में

21 नवंबर तक टिकट के लिए रजिस्ट्रेशन होंगे

वर्ल्ड कप के टिकटों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 21 नवंबर 2026 तक जारी रहेगी। इसमें पहले रजिस्ट्रेशन होगा और मांग ज्यादा होने पर कंप्यूटराइज्ड रैंडम लॉटरी से टिकट खरीदने के लिए आवेदकों का चयन किया जाएगा। यह पहले आओ-पहले पाओ वाला सिस्टम नहीं है।

सेमीफाइनल और फाइनल के टिकटों के लिए ICC ने पब्लिक बैलट सिस्टम अपनाया था। वेबसाइट पर भारी ट्रैफिक के कारण टिकट बिक्री में परेशानी आई थी। 2016 टी-20 वर्ल्ड कपः भारत के मैचों, सेमीफाइनल और फाइनल के टिकटों के लिए लॉटरी सिस्टम रखा गया था। सफल आवेदकों को टिकट खरीदने का मौका मिला था।

गिल चाहते थे न्यूजीलैंड दौरे पर पहले वनडे सीरीज हो

कप्तान बोले- वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए पूरी टीम मिलती

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कप्तान शुभमन गिल चाहते थे कि न्यूजीलैंड दौरे पर टी-20 सीरीज को वनडे और टेस्ट के बीच कराया जाता। ऐसे में भारत सभी 5 वनडे में अपनी मजबूत टीम उतार सकता था।

गिल ने ऑकलैंड में पहले वनडे से पहले कहा कि वनडे और टेस्ट दोनों सीरीज अहम हैं। लेकिन दोनों के बीच कम समय होने के कारण जसप्रीत बुमराह को पूरी वनडे सीरीज से आराम दिया गया है। वहीं, गिल समेत टेस्ट टीम के कई खिलाड़ी आखिरी 2 वनडे नहीं खेलेंगे। गिल ने कहा, अगर फैसला मेरे हाथ में होता और सभी खिलाड़ी फिट होते, तो मैं वर्ल्ड कप में खेलने वाले सभी खिलाड़ियों को पूरी वनडे सीरीज में मौका देना चाहता। अगर पहले वनडे, फिर टी-20 और उसके बाद टेस्ट सीरीज होती, तो हम पांचों वनडे में अपनी मजबूत टीम उतार सकते थे। गिल ने ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की फिटनेस पर भी बात की। हार्दिक IPL 2026 के बाद से चोटों के कारण नहीं खेले हैं। उन्हें पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया-A के खिलाफ भारत-A की वनडे सीरीज भी खेलनी थी, लेकिन दोबारा परेशानी होने से वे बाहर हो गए।

गिल ने कहा, हार्दिक शानदार खिलाड़ी हैं। वे नई गेंद, मिडिल ओवर और डेथ ओवर में गेंदबाजी कर सकते हैं। उनकी बल्लेबाजी भी टीम के लिए अहम है। उम्मीद है कि वे जल्द फिट होकर डोमेस्टिक क्रिकेट खेलेंगे और फिर टीम में वापसी करेंगे।

ग्लेन मैक्सवेल ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

टी-20 इंटरनेशनल में ऑस्ट्रेलिया के तीसरे टॉप स्कोरर

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अब इंटरनेशनल क्रिकेट में नहीं खेलेंगे। 38 साल के मैक्सवेल ने टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है। वे जून 2025 में वनडे क्रिकेट को भी अलविदा कह चुके हैं। उन्होंने लिस्ट-A और फर्स्ट-क्लास क्रिकेट से भी संन्यास लिया है। हालांकि, वे मेलबर्न स्टार्स के लिए बिग बैश लीग खेलते रहेंगे। टीम के साथ उनका कॉन्ट्रैक्ट 2027-28 सीजन तक है। वे IPL में भी खेल सकते हैं।

मैक्सवेल ने आखिरी इंटरनेशनल मैच फरवरी 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप में ओमान के खिलाफ खेला था। यह ऑस्ट्रेलिया का आखिरी ग्रुप मैच था। मैक्सवेल ने 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था। उन्होंने 130 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 2,897 रन बनाए। वे इस फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम 5 शतक दर्ज हैं। भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम भी टी-20 इंटरनेशनल में इतने ही शतक हैं।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 7 टेस्ट भी खेले। इसमें 339 रन बनाए। उनका इकलौता टेस्ट शतक 2017 में भारत के खिलाफ रांची में आया था। मैक्सवेल ने कहा कि उनके भविष्य को लेकर कुछ समय से बातचीत चल रही थी। 'द फाइनल वर्ड' पॉडकास्ट में उन्होंने बताया कि टी-20 वर्ल्ड कप से पहले और बाद में इस पर चर्चा हुई थी।

उन्होंने कहा, टीम मैनेजमेंट की ओर से कोई दबाव नहीं था। हमने वापसी का रास्ता खुला रखा था। कुछ सीरीज में टीम नए खिलाड़ियों को मौका देना चाहती थी। बांग्लादेश में ऐसा हुआ और खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड के खिलाफ व्हाइट-बॉल दौरे में मेलबर्न में एक टी-20 मैच खेला जाएगा।

कोहली ने यहां 50 की औसत से 596 रन बनाए, रोहित को अब भी शतक का इंतजार

रोहित-विराट 6 साल बाद न्यूजीलैंड में साथ खेलेंगे

न्यूजीलैंड में ही नहीं, भारतीय वनडे क्रिकेट के इतिहास में भी रोहित और कोहली टॉप-3 हैं। भारत के लिए सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सचिन तेंदुलकर 18,426 रन के साथ पहले नंबर पर हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी

रोहित शर्मा और विराट कोहली फरवरी 2020 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड की धरती पर साथ खेलेंगे। दोनों आखिरी बार 29 फरवरी 2020 को हैमिल्टन में तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में उतरे थे। इसके बाद वे 4 नवंबर को पांच वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में एक साथ उतरेंगे।

टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद अब दोनों सिर्फ वनडे खेल रहे हैं। ऐसे में यह सीरीज 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने का मौका है। यह दोनों का न्यूजीलैंड का आखिरी दौरा भी हो सकता है। न्यूजीलैंड में विराट कोहली की सबसे यादगार वनडे पारी 19 जनवरी 2014 को नेपियर में आई थी। उन्होंने 111 गेंदों पर 123 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड की धरती पर यह उनका इकलौता वनडे शतक है। इसी दौरे पर उन्होंने हैमिल्टन में 65 गेंदों पर 78 और ऑकलैंड में 70 गेंदों पर 62 रन की पारियां भी खेली थीं।

न्यूजीलैंड में रोहित शर्मा का सबसे बड़ा वनडे स्कोर 87 रन है। उन्होंने 26 जनवरी 2019 को माउंट माउंगानुई में यह पारी खेली थी। शिखर धवन के साथ उन्होंने पहले विकेट के लिए 154 रन जोड़े। धवन ने 66 रन बनाए। इस साझेदारी की मदद से भारत ने 50 ओवर में 4 विकेट पर 324 रन बनाए और मुकाबला 90 रन से जीत लिया। रोहित को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उस समय विराट कोहली टीम के कप्तान थे। भारत ने यह सीरीज 4-1 से जीती थी। कोहली ने 317 वनडे में 55 शतक और 79 अर्धशतक लगाए हैं।

न्यूजीलैंड में कोहली का रिकॉर्ड रोहित से बेहतर

न्यूजीलैंड की पिचों पर तेज गेंदबाजों को हवा और उछाल से मदद मिलती है। गेंद स्विंग होने पर बल्लेबाजों के लिए उसे सही समय पर खेलना चुनौती बन जाता है। इन परिस्थितियों में विराट कोहली का रिकॉर्ड रोहित शर्मा से बेहतर रहा है। कोहली न्यूजीलैंड में 600 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 4 रन दूर हैं। उन्होंने वहां 13 वनडे में 596 रन बनाए हैं। उनका औसत 49.66 और स्ट्राइक रेट 91.41 है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 4 अर्धशतक लगाए हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड में 14 वनडे में 437 रन बनाए हैं। उनका औसत 36.41 और स्ट्राइक रेट 72.95 है। उनके नाम 4 अर्धशतक हैं, लेकिन वे अब तक यहां वनडे शतक नहीं लगा सके हैं।

वर्ल्ड कप की जगह के लिए प्रदर्शन जरूरी

2027 वनडे वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका में खेला जाना है। रोहित और कोहली ने पहले ही साफ कर दिया है कि वे इस टूर्नामेंट में खेलेंगे। लेकिन टीम में जगह प्रदर्शन और चयनकर्ताओं के फैसले पर निर्भर करेगी। 2025-26 सीजन में दोनों ने घरेलू वनडे क्रिकेट भी खेला और विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा लिया।

मनोरंजन

दीया मिर्जा का दिवाली वीडियो दोबारा अपलोड करें : हाईकोर्ट

बीएमसी ने भाजपा की आपत्ति के बाद पोस्ट हटाया था, ग्रीन पटाखों की अपील की थी

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका यानी BMC को एक्ट्रेस दीया मिर्जा का दिवाली वीडियो दोबारा अपलोड करने का आदेश दिया है। इस वीडियो में दीया ने लोगों से ग्रीन पटाखे जलाने और सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे न फोड़ने की अपील की थी।

BMC के आधिकारिक X हैंडल और दूसरे सोशल मीडिया अकाउंट पर दीया मिर्जा का वीडियो रविवार को पोस्ट किया गया था और उसी रात इसे हटा दिया गया। भाजपा नेताओं ने एक्ट्रेस के वीडियो पर आपत्ति जताई थी।

भाजपा मुंबई अध्यक्ष अमित साटम ने कहा था कि हमें त्योहार मनाने का तरीका किसी से सीखने की जरूरत नहीं है। उन्होंने पटाखों के खिलाफ अपील करने वालों को 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' का हिस्सा बताया। वीडियो हटाए जाने के बाद दीया ने सोशल मीडिया पर लिखा था- कोई पैसे नहीं लिए हैं। भलाई का जमाना ही नहीं रहा।

जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और जस्टिस नीला गोखले की बेंच ने नेताओं की टिप्पणियों पर भी नाराजगी जताई। जस्टिस कुलकर्णी ने कहा- नेताओं ने कोर्ट के उस पुराने आदेश पर ध्यान दिए बिना टिप्पणी की, जिसमें सभी को जागरूकता अभियान में हिस्सा लेने की अनुमति दी गई थी। बेंच ने कहा- भारत धर्मनिरपेक्ष देश है और पर्यावरण से जुड़े मुद्दे को कोई दूसरा रंग नहीं दिया जाना चाहिए। दीया मिर्जा ने कोर्ट के निर्देशों के मुताबिक वायु प्रदूषण पर अच्छा मैसेज दिया था।

फिल्म का एक भी सीन लीक करने पर होगी कार्रवाई, हाईकोर्ट ने दिया आदेश

'रामायण' की एडवांस बुकिंग से कमाई 73 करोड़ के पार

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'रामायणः पार्ट 1' को अंतरिम कॉपीराइट सुरक्षा दी है। कोर्ट ने अज्ञात लोगों, संस्थाओं और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को फिल्म की बिना अनुमति रिकॉर्डिंग, होस्टिंग और स्ट्रीमिंग करने से रोक दिया है।

फिल्म 5 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज से पहले ही इसकी एडवांस बुकिंग से करीब 73 करोड़ रुपए की कमाई हो चुकी है। यह आदेश गॉडपावर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर दिया गया। कंपनी ने फिल्म की स्क्रिप्ट, किरदारों, फुटेज,

गीतों और रिकॉर्डिंग को कॉपीराइट उल्लंघन से बचाने की मांग की थी।

कोर्ट के आदेश से फिल्म के पाइरेटेड लिंक और मिरर साइट्स को हटाने का रास्ता साफ हुआ है। इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को लिखित सूचना मिलने पर कार्रवाई करनी होगी।

गॉडपावर मीडिया ने आनंद एंड नाइक कानूनी फर्म के जरिए कोर्ट का रुख किया था। कंपनी को फिल्म के कॉपीराइट उल्लंघन की आशंका थी।

कंपनी ने बताया कि केवल आमंत्रित लोगों के लिए प्रीव्यू स्क्रीनिंग रखी गई थी। इस दौरान कड़ी गोपनीयता शर्तें लागू थीं। इसके बावजूद फिल्म के दो ट्रेलर चोरी-छिपे रिकॉर्ड कर डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित किए गए।

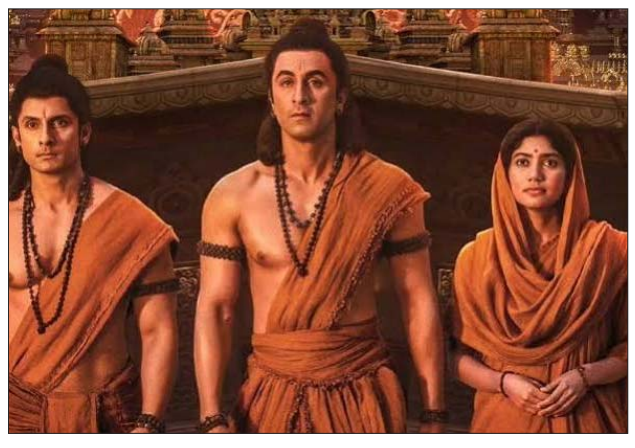

प्लेटफॉर्म्स ने कार्रवाई पर सहमति जताई

गूगल एलएलसी और दुनिया भर के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की ओर से पेश वकील ने कहा कि उन्हें अंतरिम राहत देने के आदेश पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आपत्तिजनक लिंक की जानकारी मिलने पर वे तुरंत कार्रवाई करेंगे। जस्टिस माधव जामदार की बेंच ने आदेश में कहा, "प्रथम दृष्टया, वादी (याचिकाकर्ता) गॉडपावर को वास्तविक और ठोस आशंका है कि फिल्म या उसके हिस्सों को रिकॉर्ड कर विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर अपलोड, स्ट्रीम या जनता तक पहुंचाया जाएगा।"

लॉरेंस गैंग के हैरी बॉक्सर के नाम से आया फोन, जांच में आवाज फर्जी निकली

तुषार कपूर से धमकाकर मांगे पांच करोड़

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर तुषार कपूर को कथित तौर पर लॉरेंस गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर के नाम से फोन आया। फोन करने वाले ने 5 करोड़ रुपए मांगे हैं।

न्यूज एजेंसी IANS के मुताबिक, तुषार कपूर ने इसकी जानकारी मुंबई पुलिस को दी। इसके बाद जांच एंटी-एक्सटॉर्शन सेल और क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई। क्राइम ब्रांच की टेक्निकल टीम ने धमकी भरे कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग की जांच की। इसके बाद आवाज का मिलान हैरी बॉक्सर के आधिकारिक ऑडियो सैंपल से किया गया।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, दोनों आवाजें आपस में मेल नहीं खातीं। इससे पुलिस को शक है कि यह फर्जी कॉल था। किसी ने गैंग का नाम लेकर डर पैदा करने की कोशिश की।

अब पुलिस उस व्यक्ति की तलाश कर रही है, जिसने धमकी भरी ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजी थी।

गौरतलब है कि तुषार कपूर फेमस एक्टर जितेंद्र और प्रोड्यूसर शोभा कपूर के बेटे हैं। उनकी बड़ी बहन एकता कपूर टीवी और फिल्म प्रोड्यूसर हैं।

तुषार ने साल 2001 में फिल्म 'मुझे कुछ कहना है' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके साथ करीना कपूर नजर आई थीं। फिल्म हिट रही और तुषार को बेस्ट मेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। इसके बाद उन्होंने 'क्या दिल ने कहा', 'जीना सिर्फ मेरे लिए' और 'ये दिल' जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, उन्हें सबसे ज्यादा पहचान कॉमेडी फिल्मों से मिली। 'क्या कूल हैं हम', 'गोलमाल', 'गोलमाल रिटर्न्स' और 'गोलमाल 3' उनकी चर्चित फिल्में हैं। फिल्म 'शोर इन द सिटी' में उनके अभिनय को भी सराहना मिली।

तुषार कपूर आखिरी बार अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आए थे।

हैरी बॉक्सर पर रणवीर को धमकी देने का आरोप

गौरतलब है कि लॉरेंस गैंग के गुर्गे हैरी बॉक्सर पर बॉलीवुड और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों को धमकी देने के आरोप हैं। इनमें सबसे प्रमुख नाम एक्टर रणवीर सिंह का है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, हैरी ने रणवीर के मैनेजर को वॉइस नोट भेजकर 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। रकम नहीं देने पर रणवीर और उनके स्टाफ को जान से मारने की धमकी दी गई थी। फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग की घटना के पीछे भी हैरी बॉक्सर और लॉरेंस गैंग का हाथ बताया गया था। इसकी जिम्मेदारी उन्होंने एक वॉइस नोट के जरिए ली थी। मशहूर पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा को भी हैरी बॉक्सर ने धमकी दी थी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक कथित ऑडियो के अनुसार, सलमान खान से नजदीकियों के कारण गुरु रंधावा के दिल्ली स्थित एक जिम पर फायरिंग करवाई गई थी। उन्हें आगे के लिए चेतावनी भी दी गई थी।

इंदौर में दिलजीत के कॉन्सर्ट में बम धमाके की धमकी

इंदौर, एजेंसी

मशहूर पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के 15 नवंबर को इंदौर में होने वाले कॉन्सर्ट में बम धमाके की धमकी मिली है। 'खालिस्तानी नेशनल आर्मी' के नाम से भेजे गए ई-मेल में शो के दौरान IED ब्लास्ट की चेतावनी दी गई है।

इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव के दफ्तर को उड़ाने की बात ई मेल में हैं। साथ ही तीन स्कूलों को ई-मेल भेजकर अभिभावकों से बच्चों को कॉन्सर्ट में नहीं भेजने को कहा गया है।

धमकी भरा ई-मेल 'खालिस्तानी नेशनल आर्मी' के नाम से भेजा गया है। इसमें भेजने वालों के नाम इंजीनियर गुरानाख सिंह, रुखन शाहवाला, डॉ. गुरनिरवेर सिंह और बब्बर खालसा (परमार-कनाड़) के प्रोफेसर गुरकाल सिंह पीएचडी लिखे हैं। ई मेल में अमिताभ बच्चन के मुंबई स्थित बंगले 'जलसा' को भी उड़ाने की धमकी दी गई है।

तीन स्कूल, मेयर ऑफिस को भी 'खालिस्तानी आर्मी' नाम से ई-मेल भेजा अमिताभ का बंगला भी टारगेट

एडिशनल DCP राजेश दंडोतिया के मुताबिक, इंदौर के तीन स्कूलों को सोमवार सुबह धमकी भरे ई-मेल मिले। इनमें अभिभावकों को 15 नवंबर के कार्यक्रम में अपने बच्चों को न भेजने की चेतावनी दी गई है।

मेल में कॉन्सर्ट में बम धमाके करने की बात कही गई है। एहति-यातन पुलिस ने स्कूलों के नाम बताने से इनकार किया है।

अक्टूबर में सबसे ज्यादा पर्यटक पहुंचे

नेपाल घूमने जाने में भारतीय पीछे छूटे, अमेरिका नंबर-1

गिरावट

काठमांडू, एजेंसी

लंबे समय से नेपाल में सबसे ज्यादा विदेशी पर्यटक भारत से पहुंचते रहे हैं, लेकिन अक्टूबर 2026 में अमेरिका ने भारत को पीछे छोड़ दिया। नेपाल पर्यटन बोर्ड के एक अधिकारी ने काठमांडू पोस्ट को बताया कि नेपाल के इतिहास में पहली बार अमेरिका सबसे ज्यादा पर्यटक भेजने वाला देश बना है।

नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुताबिक, अक्टूबर में अमेरिका से 17,437 पर्यटक नेपाल पहुंचे। वहीं, भारत से 12,097 पर्यटक आए। पिछले साल

अक्टूबर में 17,298 भारतीय पर्यटक नेपाल पहुंचे थे। यानी इस बार भारत से आने वाले पर्यटकों की संख्या में करीब 30% की गिरावट आई है। चीन से 11,695 पर्यटक पहुंचे और वह तीसरे स्थान पर रहा। नेपाल में भारतीय पर्यटकों की संख्या घटने की एक बड़ी वजह अगस्त में आई बाढ़ और भूस्खलन को माना जा रहा है। इसकी वजह से कई सड़कें और यात्रा मार्ग टूट गए, जिससे आवाजाही प्रभावित हुई। खासकर कैलाश मानसरोवर जाने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। थापा के मुताबिक, बाढ़ से लैंगटांग जाने का रास्ता प्रभावित हुआ था। वहां जाने की योजना बना रहे पर्यटकों को कंपनी ने अन्नपूर्णा सर्किट और एवरेस्ट बेस कैंप जैसे दूसरे ट्रेकिंग मार्गों के विकल्प दिए। इसके अलावा, अमेरिका में रहने वाले नेपाली मूल के लोग भी नेपाल पहुंच रहे हैं। दशैं और तिहार जैसे त्योहारों पर वे अपने परिवारों से मिलने आते हैं। इससे नेपाल आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ती है। इसके बाद पर्यटकों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ी। साल 2024 में

भारतीयों की संख्या में 30% गिरावट

> नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुताबिक, इस साल अक्टूबर में 1.32 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक नेपाल पहुंचे। यह पिछले साल के मुकाबले 3.4% ज्यादा है। हालांकि, भारत से आने वाले पर्यटकों की संख्या में करीब 30% की गिरावट दर्ज की गई।

इस साल अब तक करीब 10 लाख विदेशी पर्यटक पहुंचे

नेपाल में जनवरी से अक्टूबर 2026 के बीच कुल 9,98,734 विदेशी पर्यटक पहुंचे। यह पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 5.83% ज्यादा है। अक्टूबर में 1.32 लाख से ज्यादा पर्यटकों का पहुंचना नेपाल के पर्यटन कारोबार के लिए अच्छा संकेत है। कोरोना महामारी से पहले 2019 नेपाल के पर्यटन के लिए सबसे अच्छा साल रहा था। उस साल 11,97,191 विदेशी पर्यटक नेपाल पहुंचे थे। महामारी के कारण 2020 और उसके बाद के वर्षों में पर्यटन कारोबार को बड़ा नुकसान हुआ।

नेपाल में 11,47,567 विदेशी पर्यटक पहुंचे, जबकि 2025 में यह संख्या बढ़कर 11,58,459 हो गई। इस साल अक्टूबर तक करीब 10 लाख पर्यटक नेपाल पहुंच चुके हैं। 2019 का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए नवंबर और दिसंबर में करीब 1.98 लाख और पर्यटकों का आना जरूरी है। नेपाल का पर्यटन उद्योग अब महामारी से पहले के रिकॉर्ड तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है।

अमेरिकी पर्यटकों की संख्या बढ़ने की क्या वजह है?

नेपाल के टूर ऑपरेटरों के मुताबिक, अमेरिका से आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ने की एक वजह ट्रेकिंग और पहाड़ों पर चढ़ाई में बढ़ती रुचि है। खासकर युवा पर्यटक नेपाल आ रहे हैं। नेपाल हाइकिंग टीम के प्रमुख गंगा बहादुर थापा ने बताया कि अगस्त की बाढ़ के बाद भी किसी अमेरिकी ग्राहक ने यात्रा रद्द नहीं की। कुछ ने यात्रा टाल दी, जबकि बाकी तय कार्यक्रम के मुताबिक नेपाल पहुंचे।

जंगलों की आग ने बिगाड़े 3 देशों के रिश्ते

इंडोनेशिया के जहरीले धुएं से मलेशिया-सिंगापुर परेशान

जकार्ता, एजेंसी

इंडोनेशिया के जंगलों में लगी आग का धुआं पड़ोसी देशों मलेशिया और सिंगापुर के लिए मुसीबत बन गया है। कालिमंतान, पापुआ और सुमात्रा के जंगलों से उठ रहा जहरीला धुआं हवा के साथ इन देशों तक पहुंच रहा है।

इससे लोगों को सांस लेने में परेशानी और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो रही हैं। मलेशिया के कुछ इलाकों में स्कूल बंद करने पड़े हैं। धुआं कई हफ्तों से बना हुआ है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

मलेशिया में लोगों ने इंडोनेशिया के उत्पादों का बहिष्कार शुरू कर दिया है, जबकि सिंगापुर ने आग से जुड़ी कंपनियों की जांच शुरू की है।

इस बीच इंडोनेशिया ने सिंगापुर को गैस का निर्यात घटाने का ऐलान किया है। उसने इसकी वजह अपने

देश की ऊर्जा जरूरतों को बताया है।

इंडोनेशिया में जंगलों में आग लगने की घटनाएं हर साल होती हैं। इसकी बड़ी वजह खेती और कारोबार के लिए जंगलों को साफ करना है। खासतौर पर पाम ऑयल की खेती के लिए बड़े इलाकों में जमीन तैयार की जाती है।

इसके लिए कई जगह जंगलों में आग लगाई जाती है। आग जमीन के नीचे मौजूद पीटलैंड तक फैल जाए तो इसे बुझाना और मुश्किल हो जाता है। पीटलैंड में मौजूद सूखे जैविक पदार्थ आग को लंबे समय तक सुलगाए रखते हैं।

सहारा रेगिस्तान में मिला गुलाबी पत्थर मंगल ग्रह का निकला

800 ग्राम के पत्थर में मिले पानी के निशान, 4.1 अरब साल पुरानी है

न्यूयॉर्क, एजेंसी

सहारा रेगिस्तान में 2022 में मिला करीब 800 ग्राम का गुलाबी रंग का पत्थर मंगल ग्रह का निकला है। नासा की मदद से हुई रिसर्च में इसकी पुष्टि हुई है।

जांच में पता चला कि यह चट्टान 4.1 अरब साल से भी ज्यादा पुरानी है। इसमें ऐसे खनिज मिले हैं, जो बताते हैं कि मंगल के शुरुआती दौर में उसकी चट्टानों के संपर्क में पानी आया था।

यह खोज मंगल के पुराने वातावरण को समझने में मदद कर सकती है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, उस समय मंगल आज की तरह ठंडा और सूखा नहीं था।

इस चट्टान को 'तेघाजा 001' नाम दिया गया है। यह माली के तेघाजा नमक मैदान में मिली थी।

शुरुआत में वैज्ञानिकों को यह पता नहीं था कि यह पत्थर कहां से आया है। इसकी पहचान करने के लिए वैज्ञानिकों ने इसमें मौजूद ऑक्सीजन के आइसोटोप की जांच की। आइसोटोप एक ही तत्व के अलग-अलग रूप होते हैं। अलग-अलग ग्रहों की चट्टानों में इनका अनुपात अलग हो सकता है। जांच में इस पत्थर के आइसोटोप मंगल की चट्टानों से मेल खाते मिले।

इसके बाद वैज्ञानिकों ने इसकी बनावट और खनिजों की जांच की। इसमें जिरकॉन नाम के छोटे क्रिस्टल मिले। इन क्रिस्टल की मदद से वैज्ञानिकों ने चट्टान की उम्र का पता लगाया।

चट्टान में मिले खनिज और उनकी बनावट बताते हैं कि मंगल पर कभी पानी मौजूद था। पानी के संपर्क में आने से चट्टान के कुछ खनिजों में बदलाव हुआ था।

यह जानकारी इसलिए अहम है, क्योंकि इससे वैज्ञानिक समझ सकते हैं कि शुरुआती मंगल का वातावरण कैसा था और वहां पानी की मौजूदगी कितनी थी। इससे यह जानने में भी मदद मिल सकती है कि समय के साथ मंगल पर पानी कैसे कम हुआ। हालांकि, पानी के संकेत मिलने का मतलब यह नहीं है कि मंगल पर कभी जीवन भी था। इसके लिए अभी और अध्ययन की जरूरत है।

14 भारतीय सवार थे, 13 को बचाया गया, पिछले महीने 30 जहाजों पर हमला हुआ

होर्मुज में भारतीय जहाज पर हमला, एक की मौत

ओमान, एजेंसी

होर्मुज स्ट्रेट में 2 नवंबर को एक भारतीय जहाज पर हमला हुआ। इसमें गुजरात के एक नाविक की मौत हो गई। जहाज पर सवार बाकी 13 भारतीयों को ओमान के कोस्ट गार्ड ने सुरक्षित बचा लिया। मृतक की पहचान गांधार नाहीम अजीज के रूप में हुई है।

जहाज का नाम MSV अल जुसुफी है। हमला कैसे हुआ और किसने किया इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हमले के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना बंद होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों पर जहाजों की आवाजाही और कारोबार बिना किसी

रुकावट के जारी रहना चाहिए।

ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा एजेंसी UKMTO के मुताबिक, इस साल अक्टूबर में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास जहाजों पर 30 से ज्यादा हमले हुए। ईरान-अमेरिका जंग शुरू होने के बाद एक महीने में हमलों की यह सबसे बड़ी संख्या थी।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच व्यापारिक जहाजों पर हमले की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी G20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में यह मुद्दा उठाया था।

पहले भी भारतीय नाविकों वाले जहाज पर हमला हुआ था

होर्मुज स्ट्रेट में इससे पहले 29 अक्टूबर को भारतीय नाविकों वाले जहाज को निशाना बनाया गया था। 27 भारतीय क्रू सदस्यों वाले तेल टैंकर MT लुईस 1 पर हमला हुआ था। पनामा के झंडे वाले इस जहाज के पास एक छोटी नाव आई थी। उसमें सवार लोगों ने जहाज के बाहरी हिस्से पर दो विस्फोटक चिपका दिए थे और वहां से चले गए। कुछ देर बाद दोनों विस्फोटकों में धमाका हुआ। इससे जहाज के इंजन रूम में आग लग गई और इंजन कुछ समय के लिए बंद हो गया। हालांकि, क्रू ने आग पर काबू पा लिया। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया था कि जहाज पर सवार सभी 27 भारतीय सुरक्षित थे। किसी को चोट नहीं आई। इस हमले के पीछे किसका हाथ था, इसकी जानकारी सामने नहीं आई।

होर्मुज में अब तक 122 जहाजों पर हमला

इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक, 28 फरवरी को अमेरिका-ईरान संघर्ष शुरू होने के बाद से 30 अक्टूबर तक फारस की खाड़ी, होर्मुज और ओमान की खाड़ी में 122 जहाजों पर हमला हुआ। होर्मुज दुनिया का एक अहम समुद्री रास्ता है। यहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल दूसरे देशों तक पहुंचता है। लगातार हो रहे हमलों से तेल की सप्लाई और दुनियाभर के कारोबार पर असर पड़ सकता है।

फास्ट न्यूज

फ्लोरिडा प्लेन क्रैश से 10 मिनट पहले को-पायलट ने ब्वॉयफ्रेंड को भेजा था आखिरी मैसेज

वाशिंगटन। फ्लोरिडा लियरजेट विमान हादसे में को-पायलट नथालिया गादेल्हा फिल्गुएरास समेत 9 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद नथालिया की रेडियो कॉल रिकॉर्डिंग भी सामने आई। इस हादसे से चंद मिनट पहले को-पायलट नथालिया एयर ट्रैफिक कंट्रोल के साथ ही अपने परिजनों के साथ भी संपर्क में थीं।

सोना 594 बढ़कर 1.38 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली। सोने के दाम में आज यानी 3 नवंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, आज 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 594 रुपए बढ़कर 1.38 लाख रुपए पहुंच गया है। हालांकि चांदी की कीमत आज कम हुई है। एक किलो चांदी 2,672 रुपए घटकर 1.77 लाख रुपए पर आ गई है। अक्टूबर में सोना 8,084 रुपए और चांदी 39,485 रुपए सस्ती हुई है। एक अक्टूबर 2026 को एक किलो चांदी के दाम 2.20 लाख रुपए और 10 ग्राम सोना 1.48 लाख रुपए पर थे।

'महाशक्तियों का अखाड़ा न बने पश्चिम एशिया'

नई दिल्ली। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के संभावित नए हमलों की चर्चाओं के बीच चीन ने पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। रायटर के अनुसार, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सोमवार को पहली आधिकारिक यात्रा पर चीन पहुंचे ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल-सैद से मुलाकात के बाद कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र को बड़ी ताकतों की प्रतिद्वंद्विता का अखाड़ा नहीं बनना चाहिए।

खैबर पख्तूनख्वा में पोलियो कर्मियों की सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मियों की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने पोलियो टीकाकरण टीम की सुरक्षा में तैनात पुलिस दल पर हमला कर दिया। इस हमले में दो पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गया।

जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) रजा खान के अनुसार, पुलिस का एक दल याख डांड गांव की ओर जा रहा था ताकि वहां पोलियो ड्रॉप पिलाने वाली टीम को सुरक्षा दी जा सके। इसी दौरान मोहमंद जिले की पिंडियाली तहसील में अज्ञात हमलावरों ने पुलिस दल पर घात लगाकर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। घायल जवान और मृतकों के शवों को घलनाई के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। सुरक्षा बलों ने

> प्रांत में हुई एक अन्य घटना में, टांक जिले से अज्ञात हथियारबंद लोगों ने मंगलवार को चार पोलियो कार्यकर्ताओं का अपहरण कर लिया। स्थानीय पुलिस अधिकारी अब्दुल समद खान ने बताया कि बंदूकधारियों ने इन कार्यकर्ताओं को बंधक बनाया और किसी अज्ञात स्थान पर ले गए।

अगवा स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षित छुड़ाने के लिए आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया है। फिलहाल किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, हालांकि पहले प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और उससे जुड़े गुट पोलियो टीमों को निशाना बनाते रहे हैं। यह हमला 27 जिलों में 48 लाख से अधिक बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने के चार दिवसीय अभियान के पहले दिन हुआ। इस अभियान के लिए 20772 टीमें तैनात की गई हैं, जिनकी सुरक्षा में लगभग 30000 सुरक्षाकर्मी लगे हुए हैं।

दूसरी तिमाही में ब्याज से कमाई 15% बढ़ी, अनुमान से अच्छे रहे बैंक के नतीजे

एसबीआई का मुनाफा 14% बढ़कर 23,038 करोड़

> रिजल्ट के बाद एसबीआई का शेयर आज 1% चढ़कर 995 रुपए पर कारोबार कर रहा है। एक महीने में यह 4% और एक साल में 5% चढ़ा है। बीते 6 महीने में बैंक का शेयर 7% गिरा है। एसबीआई का मार्केट कैप 9.15 लाख करोड़ रुपए है।

मुंबई, एजेंसी

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने जुलाई से सितंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। बैंक को इस तिमाही में कुल 23,038 करोड़ का मुनाफा हुआ है, जो पिछले साल इसी समय के मुकाबले करीब 14% ज्यादा है। उस तिमाही में बैंक को 20,160 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

बैंक की मुख्य कमाई लोगों को दिए गए कर्ज पर मिलने वाले ब्याज से होती है। इसे NII यानी नेट इंटरेस्ट इनकम कहते हैं। इस तिमाही में बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम बढ़कर 49,142 करोड़ पर पहुंच गई है। इसमें पिछले साल के मुकाबले करीब 15% की बढ़त दर्ज की गई है। पिछले साल यह करीब

42,847 करोड़ थी। 30 सितंबर 2026 तक बैंक की ओर दिया गया कुल लोन सालाना आधार पर 7.84% बढ़कर 52 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसे बैंक की भाषा में ग्रॉस एडवांसेज कहा जाता है। वहीं बैंक में जमा कुल पैसा भी 12.27% बढ़कर 63 लाख करोड़ रुपए करोड़ हो गया। ये पैसा दो तरह से आता है। सेविंग और करेंट अकाउंट डिपॉजिट यानी CASA और फिक्स्ड डिपॉजिट।

सेविंग्स और करंट अकाउंट में जमा पैसा 8.13% बढ़ा। बैंक में जमा कुल पैसों में CASA का हिस्सा 38.3% रहा। जबकि फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) में 14.26% की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

मोतीलाल ओसवालः ब्रोकरेज फर्म ने SBI बैंक का टारगेट 1,370 रखते हुए शेयर खरीदने की सलाह दी है।

डूबा हुआ पैसा कम हुआ, लोन वसूली तेज

बैंक के ग्राहकों के दिए कर्ज की स्थिति यानी एसेट क्वालिटी भी बेहतर हुई है। यानी लोगों को दिया गया पैसा समय पर वापस लौट रहा है और बैंक का डूबा हुआ पैसा कम हुआ है। बैंक का वास्तविक फंसा हुआ कर्ज यानी नेट NPA अनुपात घटकर मात्र 0.36% रह गया है, जो इससे ठीक पिछली तिमाही में 0.38% और पिछले साल की समान तिमाही में 0.42% था।

ICICI सिक्योरिटीज : बैंक की मजबूत रिकवरी और एसेट क्वालिटी को देखते हुए 1,300 का टारगेट प्राइस दिया है।

एक्सिस डायरेक्टः बैंक की क्रेडिट ग्रोथ और बेहतर मार्जिन के दम पर शेयर के लिए 1,280 का टारगेट तय किया है।

घोषणा : भारत में एपल की रिकॉर्ड कमाई, एपल पे भी किया लॉन्च, भारत में इस ग्रोथ का सबसे बड़ा कारण आईफोन का प्रदर्शन रहा

देश में आईफोन और मैक की डिमांड ऑल-टाइम हाई : सीईओ जॉन टर्नस

मुकाबला

दुनिया भर में 2.5 अरब एपल डिवाइसेस एक्टिव

नई दिल्ली, एजेंसी

ग्लोबल स्मार्टफोन मार्केट में मंदी और सप्लाई की चुनौतियों के बावजूद एपल ने सितंबर तिमाही में भारत में अब तक का सबसे ज्यादा रेवेन्यू हासिल किया है। कंपनी के CEO जॉन टर्नस ने अर्निंग्स कॉल में इसकी जानकारी दी। हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि रेवेन्यू कितना रहा है। लेकिन ग्लोबल रेवेन्यू बढ़कर

114.5 अरब डॉलर यानी करीब 10.80 लाख करोड़ रुपए हो गया। ये पिछले साल की इसी तिमाही के 102.5 अरब डॉलर के मुकाबले लगभग 12% ज्यादा है।

वहीं, अगर पूरे साल की कुल कमाई की बात करें तो एपल ने इस साल रिकॉर्ड तोड़ 479 अरब डॉलर यानी करीब 45 लाख करोड़ का रेवेन्यू हासिल किया है, जो पिछले साल 416 अरब डॉलर था। दुनियाभर में एपल का एक्टिव इंस्टॉल्ड बेस 2.5 अरल से ज्यादा डिवाइसेस के रिकॉर्ड ऑल-टाइम हाई स्तर पर पहुंच गया है। कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान आईपैड और एप्पल वॉच खरीदने वाले 50% से ज्यादा ग्राहक ऐसे रहे जिन्होंने पहली बार ये प्रोडक्ट्स खरीदे हैं। यह यूजर बेस एपल के सर्विसेज बिजनेस और डिजिटल सब्सक्रिप्शन को तेजी से बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

आईफोन अपग्रेड की वजह से भारत में रिकॉर्ड रेवेन्यू

भारत में इस ग्रोथ का सबसे बड़ा कारण आईफोन का प्रदर्शन रहा। खास तौर पर उन यूजर्स की संख्या बहुत ज्यादा रही जिन्होंने अपने पुराने आईफोन को नए मॉडल से अपग्रेड किया। इसके अलावा मैक कंप्यूटर्स और सर्विसेज बिजनेस ने भी भारत में ग्रोथ को मजबूती दी। टर्नस ने भारत को कंपनी के ग्लोबल बिजनेस के लिए एक अहम ग्रोथ इंजन बताया है।

> सीईओ जॉन टर्नस ने अर्निंग्स कॉल के दौरान ये भी बताया कि कंपनी ने एक्सिस बैंक के साथ मिलकर भारत में एपल पे को लॉन्च कर दिया है। इसके जरिए भारतीय आईफोन यूजर्स अब ज्यादा सुरक्षित और सीमलेस तरीके से डिजिटल पेमेंट्स कर सकेंगे। एपल पे दुनिया के 90 से ज्यादा देशों में लाइव है।

माउंट एवरेस्ट के पास लैंडिंग के दौरान आपस में टकराए दो हेलीकॉप्टर

काठमांडू। नेपाल में आज मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया है। सोलुखुम्बु हेलीपैड पर दो हेलीकॉप्टरों के बीच टक्कर हो गई। लैंडिंग के दौरान दो हेलीकॉप्टरों के आपस में टकरा जाने से एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। नेपाल पुलिस की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, यह हादसा सुबह करीब 8:11 बजे हुआ, जब 'फिशटेल एयर' और 'डायनेस्टी एयर' के हेलीकॉप्टर लैंडिंग के दौरान आपस में टकरा गए। पुलिस इंस्पेक्टर मौसम तमांग ने बताया कि मृतक की पहचान वसंत कुमार बालारामरामाडु के रूप में हुई है, जो एक भारतीय नागरिक थे और फिशटेल एयर के हेलीकॉप्टर में सवार थे। उसी हेलीकॉप्टर में सवार भारतीय मूल के न्यूजीलैंड के नागरिक शैलेश कृष्ण पटेल भी इस टक्कर में घायल हो गए। तमांग ने बताया कि उन्हें प्रभु हेलीकॉप्टर के जरिए काठमांडू के मेडिसिटी अस्पताल ले जाया गया।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96